RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:241 ता. 14 मार्च 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

एआईएमआईएम बिहार में 11 सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार

पटना (एजेंसी)। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी इस बार बिहार में लोकसभा की 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीमांचल की चारों सीटों किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया के अलावा इस बार पार्टी बिहार के अन्य इलाकों में भी चुनाव लड़ेगी। अख्तरुल इमान के मुताबिक, पार्टी इस बार दरभंगा, भागलपुर , काराकाट, बक्सर, गया, मुजफ्फरपुर और उजियारपुर में भी अपना उम्मीदवार उतारेगी। ये सभी सीटें ऐसी हैं, जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी है। दरअसल, पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पिछले एक साल में दो बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। एक साल पहले उन्होंने सीमांचल के 6 विधानसभा में घूम-घूम कर सभाएं की थी।

दिल्ली में 8400 करोड़ रुपए से बनेंगे 2 नए मेट्रो कॉरीडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो के दो नए कॉरीडोर बनाए जाएंगे। एक कॉरिडोर लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक तक का होगा और दूसरा इंद्रप्रस्थ से इंद्रलोक तक बनाया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक

में यह फैसला किया गया। कैबिनेट मीटिंग में किए गए फैसले के बारे में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक तक 8.4 किलोमीटर का मेट्रो कॉरीडोर बनाया जाएगा। इसमें 8 स्टेशन होंगे और यह पूरी एलेवेटेड लाइन होगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि इंद्रप्रस्थ से इंद्रलोक लाइन 12.4 किलोमीटर लंबी होगी। इसमें करीब 11.4 किलोमीटर लंबा हिस्सा एलेवेटेड होगा और 1 किलोमीटर का हिस्सा अंडरग्राउंड होगा।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह बोले-मैं लडूंगा लोकसभा चुनाव

भोजपुर (एजेंसी)। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बुधवार को एक्स पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पवन सिंह ने लिखा है- मैं अपने समाज, जनता जनार्दन और मां से किया हुआ वादा पूरा करने के लिए चुनाव लडूंगा। आप सभी का आशीर्वाद एवं सहयोग अपेक्षित है। इधर, राजनीति में यह चर्चा भी जोरों पर है कि पवन सिंह को राजद से टिकट मिल सकता है। कुछ दिनों पहले भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने आसनसोल से बीजेपी के टिकट से लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। उन्होंने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को दिल से आभार प्रकट करता हूं। पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन किसी कारण वश में आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा। चर्चा है कि पवन सिंह आरा से टिकट चाहते थे। जनवरी महीने में उन्हें इशारा भी किया था कि अगर आरा से टिकट मिलेगा तो वे चुनाव लड़ेंगे। इसकी पूरी तैयारी है। सूत्रों की माने तो पवन सिंह आरा और काराकाट, इन्हीं दो सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने तीन सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की रखी आधारशिला

कहा-इससे भारत को सेमीकंडक्टर का ग्लोबल हब बनने में मिलेगी मदद

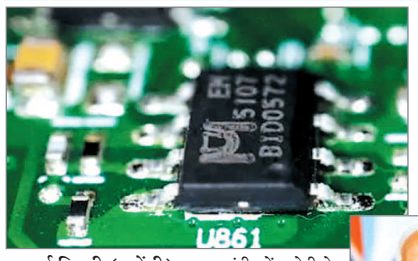

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए की तीन सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज की नींव रखी। इन मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज में से एक असम के मोरिगांव और दो गुजरात के धोलेरा और सानंद में स्थापित होंगी। इससे भारत को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए ग्लोबल हब बनने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने 'इंडियाज टेकेड चिप्स फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में इन सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज की नींव रखी है। इस कार्यक्रम में ताइवान के लीडर्स भी वर्चुअली जुड़े थे। पीएम मोदी ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है। आज, हम इतिहास भी लिख रहे हैं और उज्ज्वल भविष्य की ओर मजबूत कदम उठा रहे हैं। 21वीं सदी तकनीक आधारित सदी है, जिसकी कल्पना चिप्स के बिना नहीं की जा सकती। पिछले महीने केंद्रीय कैबिनेट ने यूनिट की स्थापना की मंजूरी दी थी।

प्रधानमंत्री बोले-

मेड इन इंडिया चिप भारत को बनाएगी आत्मनिर्भर

मेड इन इंडिया चिप भारत को आत्मनिर्भरता की तरफ ले जाएगी। चिप मैन्युफैक्चरिंग सिर्फ एक इंडस्ट्री नहीं है, ये विकास का वो दरवाजा खोलती है, जो असीम संभावनाओं से भरा है। इस सेक्टर से भारत में रोजगार के नए अवसर बनने वाले हैं। आज युवा देख रहे हैं कि भारत किस तरह आत्मनिर्भरता के लिए, ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी उपस्थिति के लिए चौतरफा काम कर रहा है। इन प्रयासों से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आत्मविश्वास से भरा युवा कहीं भी हो, वो अपने देश का भाग्य बदल देता है। हम एक तरफ देश में तेजी से गरीबी कम कर रहे हैं और दूसरी ओर भारत में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैं, देश को आत्मनिर्भर भी बना रहे हैं। सिर्फ 2024 में ही अब तक 12 लाख करोड़ रुपए की योजना का लोकार्पण-शिलान्यास हो चुका है। इस कार्यक्रम में पीएम के साथ टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी शामिल थे।

मिशन लोकसभा

कांग्रेस ने महिला वोटरों पर 'खेला' बड़ा दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले आधी आबादी को लेकर बड़ा दांव खेला है। कांग्रेस की तरफ से सरकार में आने पर नारी न्याय गारंटी योजना की घोषणा की गई है। कांग्रेस ने

- चुनाव से पहले किया नारी न्याय गारंटी योजना का ऐलान
- गरीब महिलाओं को देगी एक लाख रुपए की सालाना मदद
- सरकारी नौकरी में 50 फीसदी आरक्षण का भी किया वादा

गरीब महिलाओं, आशा, आंगनवाडी, मीड डे मील वर्कर्स के साथ ही कामकाजी महिलाओं को लेकर योजना बनाई है। इसके अलावा गांवों की महिलाओं में कानून जागरुकता को लेकर महिला मैत्री की नियुक्ति की भी बात कही गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि महिला हमारे देश की आधी आबादी है लेकिन उन्हें पिछले 10 सालों में कुछ नहीं मिला।

खड़गे बोले-

हमारी गारंटी खोखले वादे नहीं होते

खड़गे ने कहा कि इसके पहले हमने भागीदारी न्याय, किसान न्याय और युवा न्याय घोषित किए हैं। उन्होंने ये भी कहा कि कहने की जरूरत नहीं कि हमारी गारंटी खोखले वादे और जुमले नहीं होते। हमारा कहा पत्थर की लकीर होता है। यही हमारा 1926 से अब तक का रिकॉर्ड है, जब हमारे विरोधियों का जन्म हो रहा था तब से हम मैनिफेस्टो बना रहे हैं, और उन घोषणाओं को पूरा कर रहे हैं।

ममता को झटका, छोटे भाई ने ही विरोध में फूंका बिगुल

- तृणमूल कैंडीडेट के खिलाफ चुनाव लड़ने का कर दिया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई बाबुन ने बुधवार को हावड़ा सीट से तृणमूल कैंडीडेट के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया। बाबुन टीएमसी उम्मीदवार प्रसून बनर्जी के सिलेक्शन से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रसून हावड़ा के लिए सही विकल्प नहीं हैं। कई सक्षम उम्मीदवार थे, जिन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी ने ठीक नहीं किया। भाई के ऐलान के करीब एक घंटे बाद ममता बनर्जी ने कहा कि मैं और मेरा परिवार बाबुन से अपने सभी रिश्ते खत्म करते हैं। बाबुन बनर्जी ममता के छोटे भाई हैं। बाबुन अभी दिल्ली में हैं।

23 डॉग ब्रीड्स के इंपोर्ट-ब्रीडिंग पर अब लग सकती है रोक

- इनमें पिटबुल और रॉटविलर भी शामिल, केंद्र ने राज्यों को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि डॉग्स की 23 ब्रीड के इम्पोर्ट पर बैन लगा दिया जाए। केंद्र ने कुत्तों के हमले में इंसानी मौतों के बढ़ते मामले देखते हुए राज्यों से कहा कि वे इन 23 ब्रीड के डॉग्स का ना सिर्फ इम्पोर्ट रोके, बल्कि इनकी ब्रीडिंग और बिक्री पर भी रोक लगाएं। 23 डॉग ब्रीड की लिस्ट में रॉटविलर और पिटबुल भी शामिल हैं। हाल ही में इंसानों पर डॉग अटैक्स के केस में इन ब्रीड्स के डॉग का नाम आया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन डॉग्स की मिक्स ब्रीड्स और क्रॉस ब्रीड्स पर बैन लगाया जाए। एनिमल वेलफेयर बॉर्डीज और एक्सपर्ट्स की एक कमेटी ने दिल्ली हाईकोर्ट पर एक रिपोर्ट सबमिट की है। जिसके बाद केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है। केंद्र ने राज्यों को खत लिखा और कहा, लोकल प्रशासन इन डॉग्स की बिक्री और ब्रीडिंग के लिए लाइसेंस या परमिट ना जारी करे।

हरियाणा की नायब सैनी सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

- वॉयस वोटिंग के जरिए स्पीकर ने की घोषणा, पूर्व सीएम खट्टर का विधानसभा से इस्तीफा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में नए सीएम नायब सैनी की सरकार फ्लोर टेस्ट में पास हो गई है। मंगलवार को विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पास किया गया। इस पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सीक्रेट वोटिंग कराओ, लेकिन स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई। इस बीच पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने एमएलए पद से इस्तीफा दे दिया। अब खाली हुई करनाल सीट से सीएम नायब सैनी उपचुनाव लड़ेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री सैनी द्वारा सदन में विश्वासमत रखने पर जननायक जनता पार्टी के सभी 10 विधायक सदन से बाहर चले गए। एक निर्दलीय बलराज कुंडू ने भी कार्यवाही छोड़ दी।

मुख्तार अंसारी को फर्जी आर्म्स केस में मिली उम्रकैद की सजा

वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने किया सजा का ऐलान

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ बुधवार को एक अन्य मामले में सजा का ऐलान कर दिया गया। बुधवार को

वाराणसी एमपी- एमएलए कोर्ट ने सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी की। दोपहर बाद 3 बजे कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को उम्र कैद की सजा सुना दी है। इससे पहले मंगलवार को कोर्ट ने माफिया को 36 साल पुराने फर्जी शस्त्र लाइसेंस और जालसाजी के मामले में दोषी करार दिया। मुख्तार पर फर्जी तरीके से डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस हासिल करने के मामले में विशेष एमपी- एमएलए कोर्ट के जज अवनीश गौतम की कोर्ट ने पूर्व विधायक को दोषी करार दिया है। मुख्तार को आईपीसी की धारा 428, 467, 468, 120बी और आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत आरोप सिद्ध होने के बाद दोषी करार दिया। वाराणसी कोर्ट ने आज इस मामले में कोर्ट की ओर से सजा का ऐलान किया। इस मामले में कोर्ट ने अधिकतम सजा माफिया को सुनाई है। हालांकि, इसी प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मुख्तार पर आरोप साबित नहीं हो सका। इस मामले में उसे दोषमुक्त करार दिया गया है। मुख्तार परिवार पर लगातार शिकंजा कसा हुआ है। मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ विधायक अब्बास अंसारी मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद है। वहीं, मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्शां अंसारी और साले को फरार घोषित किया गया है।

अग्नि-5 की प्रचंड 'ज्वाला' देख शांति की बात करने लगा ड्रैगन

सीमा विवाद सुलझाने पर दिया बड़ा बयान, कहा-यह दोनों के हित में है

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के अग्नि-5 परमाणु मिसाइल के परीक्षण के बाद पीएम मोदी के अरुणाचल प्रदेश दौरे का विरोध करने वाले चीन के सुर बदल गए हैं। चीन ने कहा है कि यह दोनों ही देशों के हित में है कि सीमा से जुड़े मुद्दों का जितना जल्दी हो सके, उसका समाधान किया जाए। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बुधवार को उम्मीद जताई कि दोनों ही पक्ष जल्द ही एक आपसी स्वीकार हल तलाश लेंगे जो चीन और भारत के नेताओं के बीच बनी सहमति पर आधारित होगा। साथ ही प्रासंगिक समझौतों और संधियों के मुताबिक होगा। चीन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत ने 'चाइना किलर' कही जाने वाली अग्नि-5 परमाणु मिसाइल का सफल परीक्षण कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। भारत की यह सबसे लंबी दूरी तक मार करने वाली अग्नि-5 मिसाइल एमआईआरवी तकनीक से लैस है जो एक साथ कई परमाणु बम अपने साथ ले जा सकती है। भारत के इस मिसाइल की चीन के सरकार अखबार ग्लोबल टाइम्स ने भी तारीफ की थी। चीन की शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने भी इस मिसाइल के टेस्ट की न्यूज चीनी भाषा में जारी की है। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी के अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर चीन की टिप्पणी को लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने कहा था, राज्य हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और रहेगा।

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की दूसरी लिस्ट

10 राज्यों से 72 दिग्गजों को उतारा, नितिन गड़करी नागपुर से आजमाएंगे किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए अब ज्यादा दिन का वक्त नहीं बचा है। बुधवार को भाजपा ने 72 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है।

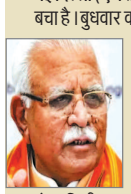

इस लिस्ट में नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर और पीयूष गोयल समेत 72 दिग्गजों के नाम हैं। गडकरी को नागपुर और खट्टर को करनाल लोकसभा सीट से टिकट दिया गया है। भाजपा ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए जारी उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट में मध्य प्रदेश से पांच नाम फाइनल किए गए हैं। बालाघाट से भारती पारधी, छिंदवाड़ा से विवेक साहू, उज्जैन से अनिल फिरोजिया, धार से सावित्री ठाकुर और इंदौर से शंकर लालवानी को टिकट दिया गया है। दूसरी लिस्ट में कर्नाटक राज्य से 20 नाम फाइनल किए हैं। हावेरी से पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को टिकट दिया गया है। चिक्कोडी से अन्नासाहेब शंकर जोल्ले, बागलकोट से पीसी गद्दीगौडर, बीजापुर से रमेश जिगजिणगी, गुलबर्ग से उमेश जी जाधव, बीदर से भगवंत खूबा, कोप्पल से बसवराज क्यावातूर, बेल्लारी से बी श्रीरामुलू, धारवाड़ से प्रल्हाद जोशी, दावणगेरे को गायत्री सिद्देश्वर, शिमोगा बी वाई राघवेंद्र, उजुपी चिकमंगलूर से कोटा श्रीनिवास पुजारी, दक्षिण कन्नड से कैप्टन ब्रिजेश चौटा, तुमकुर से वी सोमन्ना, मैसूर से यदुवीर कृष्णदत्त चामराज, चामराजनगर से एस बालराज, बेंगलुरु ग्रामीण से सीएन मंजूनाथ, बेंगलुरु उत्तर से कुमारी शोभा करंदलाजे, बेंगलुरु सेंट्रल से पीसी मोहन, बेंगलुरु साउथ से तेजस्वी सूर्या को टिकट दिया गया है। दूसरी लिस्ट में दिल्ली से दो नाम फाइनल किए हैं। पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा को और उत्तर पश्चिम दिल्ली (अनुसूचित जाति) पर योगेंद्र चंदोलिया को टिकट दिया है। महाराष्ट्र के लिए भाजपा ने 20 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। नितिन गडकरी को नागपुर से टिकट दिया गया है। नंदुरबार से हिना विजयकुमार गावित, जलगांव से स्मिता वाघ, रावेर से रक्षा निखिल खडसेस अकोला से अनूप धोत्रे, वर्धा से रामदास चंद्रभानजी, चंद्रपुर से सुधीर मुंगटीवार, नांदेड़ से प्रतापराव पाटिल, जालना से रावसाहेब दादाराव दानवे, भिवंडी से कपिल मोरेश्वर, मुंबई नॉर्थ से पीयूष गोयल, मुंबई उत्तर पूर्व से मिहिर कोटेचा, पुणे से मुरलीधर किशन, अहमदनगर से सुजय राधाकृष्ण, बीड़ से पंकजा मुंडे, लातूर से सुधार तुकाराम, माढा से रणजीत सिन्हा हिंदूराव, सांगली से संजयकाका पाटिल, आदिलाबाद से गोजाम नागेश, पेद्दापल्ले से गोमासा श्रीनिवास, मेडक से माधवनेनी रघुनंदन, महबूबनगर से डीके अरुणा, नल्गौड़ा से सईदा रेड्डी और महबूबाबाद से अजमीरा सीताराम नाइक से टिकट दिया गया है। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में दोनों लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया गया है। हमीरपुर से अनुराग ठाकुर और शिमला से सुरेश कश्यप को टिकट दिया गया है। भाजपा ने दूसरी लिस्ट में हरियाणा राज्य से 6 नाम फाइनल किए हैं। करनाल लोकसभा सीट से मनोहर लाल खट्टर को टिकट दिया है। अंबाला से बंतो कटारिया, सिरसा से अशोक तंवर और फरीदाबाद से कृष्ण पाल गुर्जर को टिकट दिया है। भिवानी-महेंद्रगढ़ से चौधरी धरमबीर सिंह और गुड़गांव से राव इंद्रजीत सिंह यादव को टिकट दिया है। दूसरी लिस्ट में गुजरात राज्य से 7 नाम फाइनल किए हैं। अहमदाबाद पूर्व से हसमुख भाई सोमाभाई पटेल को टिकट दिया गया है। वडोदरा से रंजनबेन भट्ट को टिकट दिया है। वहीं, सूरत से मुकेशभाई चंद्रकांत पर भरोसा जताया गया है। साबरकांठा से भीखा जी दुधा जी ठाकोर, भावनगर से निमुबेन बम्भानिया, छोटा उदयपुर से जशु भाई भीलु भाई राठवा वहीं वलसाड से धवल पटेल किस्मत आजमाएंगे।

खूंखार कुत्तों के पालने पर लग सकता है प्रतिबंध, नस्लें की चिन्हित

नई दिल्ली। भारत में विदेशी कुत्तों की नस्लें ज्यादा खूंखार हो जाती है। इंसानों के लिए खतरा बन रहे इन कुत्तों को लेकर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि ये कुत्ता भारत के क्लाउड में फिट नहीं हो पाते हैं आक्रमक होने लगते हैं। ऐसे कई हादसे हुए है जिसमें कुत्तों ने इंसानों को मार डाला।केंद्र सरकार ने सुझाव दिया है कि पिटबुल, रॉटविलर, टेरियर, वोल्फ डॉग, मास्टिफ्स जैसे विदेशी नस्ल के कुत्तों के आयात, ब्रीडिंग और उनकी बिक्री पर रोक लगा दी जाए। एक समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने यह सलाह दी है। समिति का कहना है कि इन विदेश नस्लों के कुत्ते खतरनाक हैं और भारत की परिस्थितियों में उग्र हो जाते हैं। केंद्र की राय है कि इन कुत्तों के अलावा मिक्स और क्रॉस ब्रीड के अन्य कुत्तों पर भी रोक लगाई जाए। राज्यों को लिखे खत में पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने स्थानीय निकायों से अपील की है कि क्रॉस ब्रीडिंग और विदेशी नस्ल के कुत्तों को लाइसेंस या परमिट जारी न करें। इन कुत्तों की बिक्री और ब्रीडिंग पर भी रोक लगाई जाए। दरअसल दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर एनिमल वेलफेयर बॉडीज और एक्सपर्ट्स की एक कमिटी गठित की गई थी। डिपार्टमेंट का कहना है कि इन नस्लों के जिन कुत्तों को पहले से ही लोग रख रहे हैं, उनकी नसबंदी करानी होगी। ऐसा इसलिए ताकि उनकी नस्ल के और कुत्ते न पैदा हो सकें। क्रॉस, मिक्स्ड और विदेशी ब्रीड के जिन कुत्तों पर रोक की सिफारिश की गई है, उन कुत्तों में पिटबुल टेरियर,तोसा इनु,अमेरिकन स्टैफोर्डशायर टेरियर, फिला ब्रासीलिरियो,डोगो अर्जेंटिनो, अमेरिकन बुलडॉग, बोएसबोएल,कनगाल,सेंट्रल एशियन शेफर्ड, काकेशियन, शेफर्ड,साउथ रशियन शेफर्ड, टोनजैक, सरप्लानिनैक, जापानी तोसा ऐंड अकिता, मास्टिफ्स, रॉटवेलियर, टेरियर, रोडेशियन रिजबैक, वोल्फ डॉग्स, कनारियो, अकबाश, मॉस्को गार्ड, केन कार्सो शामिल हैं।

सीएए के खिलाफ हैं कमल हसन सहित दक्षिण के कई अभिनेता

नई दिल्ली। दक्षिण फिल्मों सहित हिंदी फिल्मों अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके कमल हसन सीएए का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जिस दिन सीएए लागू किया गया है उसे वे काला दिन मानते हैं। कमल हासन ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, 'भारत के लिए एक काला दिन। धर्म-आधारित नागरिकता परीक्षण गणतंत्र की धर्मनिरपेक्ष संवैधानिक नींव के विपरीत है, और मैं इसके खिलाफ कानूनी और राजनीतिक रूप से अपनी पूरी ताकत से लड़ूंगा।' यानी अब वे इस बिल के खिलाफ अपनी आवाज आगे भी उठाएंगे और उन्होंने इसके विरोध में कानूनी लड़ाई लड़ने का संकल्प भी ले लिया है। इससे पहले दूसरे तमिल स्टार थलापति विजय ने भी इस बिल के खिलाफ प्रतिक्रिया दी है। विजय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान में कहा, 'ऐसे माहौल में जहां देश के सभी नागरिक सामाजिक सद्भाव के साथ रहते हैं, भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) जैसे किसी भी कानून को लागू करना स्वीकार्य नहीं है।' इसके साथ ही थलापति विजय ने अपनी राज्य सरकार से अपील की है कि वो इसे किसी भी कीमत पर तमिलनाडु में लागू ना करें। एक्टर के इस पोस्ट कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। विजय अब पूरी तरह से राजनीति में एक्टिव हैं और वे कुछ एक प्रोजेक्ट के बाद फिल्मों से संन्यास ले लेंगे। बात अगर विजय के वर्कफ्रंट की करें तो पिछले साल उनकी फिल्म लियो आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। अब वे अपनी अगली फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में में धमाल मचाने वाले हैं। हाल ही में फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिससे जाहिर होता है कि ये भी एक एक्शन थ्रिलर होने वाली है। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में सीएए लागू कर दिया है। जहां तमाम लोग इस बिल के पास होने का जश्न मना रहे हैं तो वहीं कई इसके खिलाफ बोल रहे हैं। विपक्षी पार्टियां खासकर इस फिल्म को सिरे से नकार रही हैं। वहीं कुछ ऐसे सेलिब्रिटी भी इस बिल के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं जो फिल्मों के साथ- साथ राजनीति में भी सक्रीय हैं।

काला जठेड़ी को गृह प्रवेश के लिए नहीं मिली पैरोल...पत्नी हाईकोर्ट जाने की तैयारी में

नई दिल्ली। गैंगस्टर काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी की दिल्ली में शादी हुई है। इसके लिए काला जठेड़ी को छह घंटे की पैरोल मिली थी। हालांकि डॉन को गृह प्रवेश के लिए भी बुधवार को तीन घंटे की पैरोल दी गई थी, इस बाद में वापस ले लिया गया है। इस लेकर अब डॉन की पत्नी अनुराधा चौधरी की प्रतिक्रिया आई है। अनुराधा ने कहा कि मेरा गृह प्रवेश नहीं हुआ है। इसके लिए मैं हाई कोर्ट में अर्जी लगा रही हूं। गृह प्रवेश कैंबाद ही संदीप के घर में घुसा जाएगा। कोर्ट ने बुधवार को सोनीपत के जठेड़ी गांव में गृह प्रवेश के लिए 3 घंटे की पैरोल दी गई थी, लेकिन सोनीपत पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देकर हाथ खड़े कर दिए थे। अनुराधा ने कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत का रुख करेंगी। इस लेकर अर्जी दाखिल की जाएगी। उधर, लोअर कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। यह देखना होगा कि कोर्ट का इस पर क्या रुख होता है?

105 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया, कांग्रेस को दो दिन में दो झटके

–दिल्ली हाईकोर्ट ने रोक लगाने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली हाईकोर्ट से कांग्रेस को एक और झटका लगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी से बकाया 105 करोड़ रुपये की वसूली के लिए आयकर विभाग के नोटिस पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को आईटीएटी के आदेश को बरकरार रखा है। मंगलवार को भी हाईकोर्ट से कांग्रेस को झटका लगा था। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस को फटकार लगाकर पूछा था कि क्या तीन साल तक सो रहे थे। कांग्रेस ने इनकम टैक्स अपीलीय ट्रिब्यूनल द्वारा उसकी अप्लीकेशन अस्वीकार करने को लेकर कोर्ट का रुख किया था। मंगलवार को ट्रिब्यूनल ने कांग्रेस को 105 करोड़ से ज्यादा के बकाए टैक्स की वसूली को लेकर नोटिस जारी किया था। मंगलवार को जस्टिस यशवंत वर्मा और पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने कहा था कि क्या इनकम टैक्स अपीलीय ट्रिब्यूनल के आदेश में कोई खामी नहीं नजर आती है। कोर्ट ने गौर किया कि कांग्रेस के खिलाफ यह कार्रवाई साल 2021 में शुरू हुई थी। इस पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाकर पूछा कि क्या अभी तक सो रहे थे। बेंच ने कहा था कि इस मामले को बहुत ही गलत ढंग से हैंडल किया गया है।

दिल्ली में धड़ल्ले से बेंची जा रही नकली कैंसर की दवा

–दिल्ली पुलिस ने किया एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस रैकेट में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार किया है, इसमें दो आरोपी दिल्ली के बड़े कैंसर अस्पताल के कर्मचारी हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कैंसर की कुल नौ ब्रांड्स की नकली दवाइयां बरामद की हैं। इसमें सात दवाइयां विदेशी ब्रांड्स की जबकि दो भारतीय ब्रांड की हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी कैंसर अस्पताल में मरीजों को कीमोथैरेपी में इस्तेमाल में लाने वाले इंजेक्शंस की खाली शीशी जुटाते थे, फिर उन शीशियों में एंटी फंगल दवा भरकर बेचते थे। आरोपियों के टारगेट पर दिल्ली के बाहर से आने वाले मरीज होते थे, खासकर हरियाणा, बिहार, नेपाल या फिर अफ्रीकी देशों से आने वाले मरीजों को वे अपना शिकार बनाते थे। जिन सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके नाम विफल जैन, सूरज शत, नीरज चौहान, परवेज, कोमल तिवारी, अभिनय कोहली और तुषार चौहान हैं। इसमें नीरज गुरुग्राम निवासी है, जबकि बाकी के छह दिल्ली के अलग अलग इलाकों के रहने वाले हैं। पुलिस के सीनियर अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम को जानकारी मिली है कि दिल्ली में एक गैंग सक्रिय है, जो कैंसर की नकली दवाइयां मरीजों को सप्लाई कर रहा है। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए एक स्पेशल टीम तैयार की गई। टीम को जांच में चार अलग-अलग जगह की जानकारी मिली, जहां से नेटवर्क को चलाया जा रहा था। पुलिस ने चारों जगह पर एक साथ छापेमारी की योजना बनाई ताकि आरोपियों को संभलने का मौका नहीं मिले। टीम ने डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स में छापेमारी की, जो इस रैकेट का सबसे महत्वपूर्ण ठिकाना था। पुलिस के मुताबिक यहां पर विफल जैन कैंसर की नकली दवाइयां को बनाता था। विफल ही इस पूरे गैंग का सरगना भी था। विफल ने डीएलएफ ग्रीन्स में दो इंडस्ट्रियल फ्लैट्स किराए पर ले रखे थे। यहां पर ये कैंसर की दवा की खाली शीशियों में नकली दवाई भर देता जबकि इसका साथी सूरज इन दोबारा भरी गई शीशियों को अच्छे तरीके से पैक करता था ताकि किसी को शंक ना हो।

आम चुनाव में मोदी की गारंटी को टक्कर देने आ गई कांग्रेस की नारी न्याय गारंटी

–गरीब महिला को एक लाख रुपये और नौकरी का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 में वोटरों को लुभाने की कोशिश में लगी हुई है। जनाधार बढ़ाने की पुरजोर कोशिश में जुटे पार्टी आलाकमान ने महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। नारी न्याय गारंटी की घोषणा कर पार्टी सुप्रीमो मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी देश की आधी आबादी के लिए नया एजेंडा सेट करेगी।

खरगे ने कहा, कांग्रेस नारी न्याय गारंटी के तहत कांग्रेस 5 घोषणाएं कर रही है। उन्होंने गारंटियों के नाम भी गिनाए। पहली गारंटी-महालक्ष्मी गारंटी के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा आधी आबादी पूरा हक, शक्ति का सम्मान, अधिकार मैत्री और सावित्रीबाई फुले छात्रावास गारंटी का ऐलान भी किया गया। खरगे ने कहा कि कांग्रेस की महालक्ष्मी गारंटी के तहत हर गरीब परिवार की एक-एक महिला को सालाना एक लाख रुपये की मदद मिलेगी। दूसरी घोषणा-आधी आबादी पूरा हक के तहत केंद्र सरकार के स्तर पर होने वाली नई भर्तियों में आधे से ज्यादा पदों पर महिलाओं का अधिकार होगा।

तीसरी गारंटी- शक्ति का सम्मान के तहत आंगनवाड़ी, आशा और मध्याह्न भोजन कार्यकर्ताओं की मासिक आय में केंद्र का योगदान दोगुना होगा। कांग्रेस की चौथी गारंटी- अधिकार मैत्री है। कांग्रेस इसके तहत महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेगी। हर पंचायत में एक पैरालीगल नियुक्त किया जाएगा। उनके अधिकारों की रक्षा के अलावा महिलाओं की मदद भी की जाएगी।

कांग्रेस ने जिस पांचवीं गारंटी का जिक्र किया है, इसमें शिक्षा पर फोकस करने का वादा किया है। सावित्रीबाई फुले छात्रावास गारंटी के तहत भारत सरकार कामकाजी महिलाओं के लिए जिला मुख्यालयों पर कम से कम एक छात्रावास बनाएगी। देश भर में इन छात्रावासों की संख्या दोगुनी करने का वादा भी किया है।

गौरतलब है कि मंगलवार को कांग्रेस प्रमुख खरगे ने आदिवासियों से जुड़े छह संकल्पों की घोषणा की थी। खरगे ने कहा था कि उनकी पार्टी जल-जंगल और जमीन को बचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने आदिवासी लोगों के लिए कांग्रेस पार्टी के छह संकल्पों का भी जिक्र किया।

उद्धव ठाकरे का तंज बोले– कश्मीरी पंडितों की बगैर वापसी के अधूरा है सीएए

मुंबई। सीएए लागू होते ही कई जगह से विरोध के स्वर उठे हैं तो वहीं विपक्षी नेता भी सरकार पर तंज कसते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र की एनडीए सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि जब कश्मीरी पंडितों की घर वापसी नहीं हो जाती है तब तक सीएए लागू करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने मंगलवार को कहा, देश में नया कानून सीएए लाया गया है। जो हिंदू, सिख, पारसी और जैन देश के बाहर डरे हुए हैं, उन्हें हमारे देश में लाया जाएगा। उन्हें जरूर लाया जाए, लेकिन यह सिर्फ एक चुनावी हथकंडा है।ठाकरे ने आगे कहा, जब मैं सीएम था, तो भाजपा देश में सीएए और एनआरसी का भूत लेकर आई थी। उस समय लोगों के मन में डर पैदा हो गया, खासकर असम के लोगों के मन में। इस कानून के खिलाफ कोर्ट में कई याचिकाएं हैं। अभी कोर्ट का फैसला नहीं आया है, लेकिन उन्होंने सीएए का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उन्होंने कहा, धर्मों के बीच भेदभाव पैदा कर झगड़े और दंगे कराना चाहते हैं। आने वाले चुनाव में एक तरफ बीजेपी है जो धर्मों के बीच नफरत पैदा कर रही है और दूसरी तरफ देशभक्त इंडिया गठबंधन है। यह चुनाव देशभक्त बनाम नफरत करने वालों के बीच होने जा रहा है। अगर आप विदेशों से हिंदुओं को हमारे यहां लाना चाहते हैं तो पहले कश्मीरी पंडितों को वापस लाओ और फिर सीएए लाओ।इस मुद्दे पर एनसीपी ने भी सरकार की आलोचना की है। सीएए की अधिसूचना जारी होने पर एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, अगले हफ्ते जो कुछ भी होने वाला है, जाहिर तौर पर उसका संबंध लोकसभा चुनाव से होगा। उन्होंने अब तक इसे लागू क्यों नहीं किया? देश जानना चाहता है कि चुनावी बॉन्ड और पेटीएम में क्या हुआ। सच्चाई क्या है और इसके पीछे कौन है?

नए कानून के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हो या नहीं, सुप्रीम कोर्ट 15 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को नए कानून के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से रोकने के लिए गैर-लाभकारी एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर 15 मार्च को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है। फरवरी में अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे के बाद तीन सदस्यीय चुनाव पैनल में दो रिक्तियों के बाद मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के मुताबिक, पांडे के इस्तीफे के बाद खाली हुए पद के लिए चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की इस सप्ताह बैठक होने की संभावना है।

नए कानून के तहत चयन पैनल में प्रधान मंत्री, एक केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के नेता इसके सदस्य हैं। पिछले साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने एक रिट याचिका के जवाब में निर्देश दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्तों और अन्य ईसी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष या सदन में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता की समिति द्वारा दी गई सलाह के आधार पर की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 में सीजेआई के स्थान पर एक केंद्रीय मंत्री को नियुक्त किया गया, इस कदम को आलोचक देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की देखरेख करने वाले निगरानीकर्ता को नियंत्रित करने के सरकार के प्रयास के रूप में देखते हैं।

चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करने की उम्मीद से कुछ दिन पहले, अरुण गोयल ने पिछले शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया, यह मोदी सरकार के तहत किसी चुनाव आयुक्त द्वारा दिया गया दूसरा इस्तीफा है। अशोक लवासा ने अगस्त 2020 में चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग द्वारा लिए गए विभिन्न आदर्श आचार संहिता उल्लंघन निर्णयों पर असहमति जताई थी।

सीएए पर झूठ फैलाना बंद करें विरोधी दल... किसी की नागरिकता या नौकरी नहीं जाएगी

–पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने केजरीवाल और ममता की आलोचना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लागू करने को लेकर मोदी सरकार की आलोचनाओं के बीच बीजेपी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे इस कानून के बारे में झूठ फैलाकर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना कर कहा कि यह कानून किसी भारतीय की नागरिकता या फिर नौकरी नहीं छीनता है।

केजरीवाल के दावे के संदर्भ में कि केंद्र की भाजपा सरकार भारतीयों को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वालों को देना चाहती है, भाजपा नेता प्रसाद ने कहा कि आप नेता ने बहुत अजीब बयान दिया है। यह कानून उन अल्पसंख्यकों के लिए है जिन्हें तीन देशों में उनके धार्मिक विश्वास के कारण सताया गया। उन्होंने कहा कि ये लोग भारत में कठिन जीवन जी रहे हैं और क्या उन्हें नागरिकता देने में देश नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक रूप से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि सीएए नागरिकता देने के लिए है और यह किसी की नागरिकता नहीं छीनता है। प्रसाद ने कहा कि विपक्षी दल यह दुष्प्रचार क्यों फैला रहे हैं। साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या वे रोहिंग्याओं के समर्थन में खड़े होंगे। उन्होंने कहा, जो लोग सीएए के नाम पर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं, मैं उनसे कहूंगा कि वे इसके बारे में झूठ फैलाना बंद करें। प्रसाद ने दावा किया कि बनर्जी की जमीन खिसक रही है, इसकारण वे सीएए के मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने के लिए मजबूर हैं।

उन्होंने केरल और तमिलनाडु के राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नफरत फैलाना बंद करें। उन्होंने दावा किया कि आलोचकों के पास कानून के खिलाफ कोई तर्क नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधकर कहा कि इन सभी का राजनीतिक आधार डूब रहा है। प्रसाद ने कहा कि भारत ने एक देश के तौर पर अपनी सभ्यतागत विरासत और संवैधानिक दायित्वों के कारण तीनों देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को सीएए के तहत संरक्षण प्रदान किया है।

हाईकोर्ट का मराठा आरक्षण पर अंतरिम रोक से इनकार, राज्य को हलफनामा देने का निर्देश

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार के हालिया मराठा आरक्षण अधिनियम पर तत्काल अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इस आरक्षण के खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अंतिम सुनवाई और उनकी याचिकाओं के निपटारे तक अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने कहा कि किसी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामलों में संवैधानिकता का एक सिद्धांत है और इसलिए सभी तर्कों को उचित महत्व दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

पीठ ने कहा कि हम राज्य को अंतरिम राहत पर जवाब देने के लिए कुछ समय देना चाहते हैं। यह निर्णय एक साधारण प्रशासनिक आदेश नहीं है। यह एक कानून है। इसलिए हमें कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते समय निर्धारित सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा। अनुमानित संवैधानिकता का भी एक सिद्धांत है। हमें सभी तर्कों को उचित महत्व देना होगा। पीठ ने कहा कि मराठों को आरक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का कदम एक कानून में निहित है न कि किसी प्रशासनिक आदेश में और राज्य को याचिकाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए समय चाहिए। पीठ ने राज्य सरकार को मराठा समुदाय को नौकरियों और शिक्षा में अलग से 10 प्रतिशत कोटा देने वाले हाल ही में लागू कानून के कार्यान्वयन पर अंतरिम राहत की मांग करने वाली याचिकाओं के जवाब में एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर हम 10 अप्रैल को याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे।

राज्यपाल ने सीएम ममता को दिया सुझाव कहा– बोलने से पहले सीएए का अध्ययन कर लें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीएम ममता बनर्जी को सलाह दी कि वह इस पर कोई भी टिप्पणी करने से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के ब?योरे का अध्ययन कर लें और समझ भी लें। मुख्यमंत्री द्वारा सीएए की कानूनी पवित्रता पर सवाल उठाने पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस अधिनियम में एक महत्वपूर्ण कानूनी पहलू है, जिसका उद्देश्य देश को विभाजित करना नहीं, बल्कि भारत को एकजुट करना है।

राज्यपाल ने कहा, मैं अपनी संवैधानिक सहयोगी, मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे पहले अधिनियम के विवरण का अध्ययन करें और समझें, उसके बाद ही इस पर टिप्पणी करें। उन्होंने कहा कि सीएए दिसंबर 2019 में संसद के पटल पर पारित किया गया था और सोमवार को इसे कानूनी प्रावधानों के अनुसार लागू करने के लिए एक अधिसूचना जारी की गई थी। राज्यपाल ने कहा, यह कानूनी वास्तविकताओं के साथ-साथ सुशासन को भी दर्शाता है। मंगलवार को उत्तर 24 परगना जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ममता ने सीएए पोर्टल पर नामांकन के खिलाफ चेतावनी जारी करते हुए कहा कि आवेदक अंततः अपना सब कुछ खो सकते हैं।मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी, जब पोर्टल पर आवेदन करेंगे, तो आप वास्तविक नागरिक से अवैध प्रवासी बन जाएंगे और एक बार जब आप अवैध प्रवासी बन गए, तो आपकी संपत्ति और पेशे का क्या होगा? आपको डिटेंशन कैंप में भेज दिया जाएगा, इसलिए आवेदन करने से पहले दो बार सोचें। हालांकि, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को गुमराह करने के लिए अनावश्यक रूप से इसे एक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में बदला मौसम, गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी, 14 मार्च तक गीला मौसम रहने की संभावना

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रसिद्ध स्की-रिसॉर्ट गुलमर्ग में एक बार फिर ताजा बर्फबारी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई है क्योंकि ताजा पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर को प्रभावित किया है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर और अन्य इलाकों में आज दोपहर तक बीच-बीच में धूप देखने को मिली, जिसके बाद गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी शुरू हो गई, जिससे कई स्थानों पर पारा नीचे आ गया। हालांकि, आज शाम श्रीनगर और अन्य इलाकों में बारिश हुई।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण आज बारिश और बर्फबारी हुई है, जिससे जम्मू-कश्मीर प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में एक और चक्रवात जम्मू-कश्मीर को प्रभावित कर रहा है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने बताया कि कल 12 मार्च को आंशिक रूप से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहेंगे जबकि 13 मार्च को तेज हवाओं के साथ गरज-चमक के साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 14 मार्च को मौसम आंशिक रूप से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। बहरहाल, उन्होंने बताया कि 15 मार्च से 20 मार्च तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा।

मौसम विज्ञानियों ने पूर्वानुमान के मद्देनजर एक सलाह भी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि पहाड़ी इलाकों में जनता को हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों और ढलान वाले इलाकों में न जाने की सलाह दी जाती है, और उनसे हिमस्खलन की चेतावनियों और सलाह का पालन करने की अपील की जाती है। इसके अलावा, किसानों को कृषि कार्यों को फिर से शुरू करने की सलाह दी गई है।

हालिया बर्फबारी के बाद, जम्मू और कश्मीर के बडगाम जिले में दूधपथरी 12 मार्च को एक आश्चर्यजनक शीतकालीन वंडरलैंड में बदल गया, जिसने प्रकृति प्रेमियों और टट्टू सवारों को समान रूप से आकर्षित किया। सुरम्य परिदृश्य ने आगंतुकों को बर्फ से ढके इलाके का पता लगाने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। बर्फबारी के बाद टट्टू की सवारी गतिविधियों की मांग बढ़ गई क्योंकि पर्यटक दूधपथरी की शांत सुंदरता में डूबने की कोशिश कर रहे थे। स्थानीय टट्टू संचालकों ने इस उत्साहजनक गतिविधि का अनुभव करने के लिए आगंतुकों की आमद को पूरा करते हुए व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी।

एएनआई से बात करते हुए एक स्थानीय ने कहा, %यहां चार गांव हैं और हमारी आय पर्यटन पर निर्भर है। बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं तो हमारी आय बढ़ती है। उन्हें सवारी पर छूट भी मिलती है। एक अन्य स्थानीय ने कहा, ÷बर्फबारी के बाद हमारी आय बढ़ गई है। हम पर्यटकों को दूधपथरी ले जाते हैं और उन्हें पांच से छह प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दिखाते हैं।÷ अनुभव के बारे में बात करते हुए एक पर्यटक ने कहा, ÷घुड़सवारी का अनुभव अद्भुत था। कार से यात्रा करने के लिए यह बहुत कठिन इलाका है; इसलिए घोड़े सबसे अच्छे विकल्प हैं। यह एक अद्भुत एहसास है।

400 पार के नारे पर खटटर बन रहे थे रोड़ा... भाजपा ने हटकर सोशल इंजीनियरिंग पेश की

–जजपा को अलविदा कहकर जाट वोट को तोड़ दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में पहले हरियाणा की सियासत में हुए बड़े बदलाव ने सभी को हैरान किया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को सीएम पद से हटाने और जजपा के साथ गठबंधन तोड़कर अपना रास्ता आसान किया है। भाजपा के विश्वस्त सूत्रों की मानें, तब हरियाणा की मौजूदा परिस्थितियों में पांच लोकसभा सीटों पर पार्टी को असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा के जुड़े सूत्रों की माने तब प्रधानमंत्री मोदी का नारा, अबकी बार 400 पार की राह में मुख्यमंत्री खट्टर को लेकर विरोधी लहर एक बड़ी बाधा बन रही थी। नतीजा, भाजपा को पिछड़े समुदाय के नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर नई सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर के कार्यकाल को लेकर केंद्रीय नेतृत्व ने कई एजेंसियों के द्वारा सर्वे रिपोर्ट तैयार कराई थी। प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर प्रदर्शन को लेकर नतीजे वे उत्साहवर्धक नहीं थे। खासकर से रोहतक, हिसार और सोनीपत की लोकसभा सीट पर भाजपा की राह मुश्किल थी। इसके अलावा भिवानी-महेंद्रगढ़ और सिरसा लोकसभा क्षेत्र, ये दोनों सीटें भी पार्टी के लिए आसान नहीं बताई जा रही। जो रिपोर्ट तैयार हुई, उसमें खटटर ने जिस सख्ती के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई, उससे प्रदेश में कुछ समुदाय असहज महसूस कर रहे थे। इसमें जाट समुदाय पहले नंबर पर था। लोगों की यह शिकायत रही कि खट्टर उनके साथ, वैसे नहीं मिलते थे, जैसे पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा मिलते रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खट्टर के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में योजनाओं को त्वरित गति से लागू किया गया। प्रदेश में कई सेवाओं को ऑनलाइन किया गया। खट्टर के अलावा कैबिनेट मंत्री, विधायक और आम जन भी यह बात स्वीकार करते रहे हैं कि प्रदेश में नौकरी देने में पूर्ण ईमानदारी बरती गई है। हरियाणा की सियासत पर नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र सैनी बताते हैं, इस बात पर बहुत से लोग सहमत हैं कि खट्टर के कार्यकाल के दौरान खर्ची और पर्ची का दौर बंद हो गया था। नियुक्तियों में सभी वर्गों के युवाओं का प्रतिनिधित्व था। खट्टर के कार्यकाल में शिक्षकों के तबादले एक क्लिक पर होने लगे। शिक्षकों को किसी से अप्रोच नहीं करानी पड़ती। वे घर बैठे बिठाए ही अपने जिले व स्कूल का चयन करते हैं। नियमों के अनुसार, उन्हें नई पोस्टिंग मिल जाती है।

हालांकि इसके बीच मुख्यमंत्री को लेकर यह बात कही गई कि उनकी आम जनता से दूरी बढ़ती जा रही है। 2024 का लोकसभा चुनाव आते-आते वह दूरी एंटी इनकम्बेंसी में बदल गई। भाजपा नेतृत्व ने इस बात को समझा और दो बड़े निर्णय ले लिए। पहला, जजपा से गठबंधन तोड़ा और दूसरा, खट्टर की जगह पर नायब सैनी को प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, प्रदेश की राजनीति जाट और गैर जाट वोटरों के बीच घूमती रही है। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर भी गैर जाट समुदाय से आते हैं और वर्तमान सीएम भी इसी समुदाय से आते हैं। फर्क इतना है कि खट्टर, जिस पंजाबी समुदाय से हैं, वह सामान्य वर्ग में आता है। नायब सैनी, पिछड़े वर्ग से आते हैं। यहां पर भाजपा ने अपनी सोशल इंजीनियरिंग को नए रूप में पेश किया है।

प्रदेश में जाट समुदाय की आबादी करीब 25 फीसदी है। पंजाबी समुदाय आठ फीसदी, ब्राह्मण साढ़े सात फीसदी, मुस्लिम साढ़े तीन फीसदी और गुर्जर समुदाय भी तीन फीसदी से अधिक हैं। इनके अलावा वैश्य समुदाय की आबादी भी लगभग पांच फीसदी है। यादव समुदाय भी पांच फीसदी से अधिक है। सैनी समुदाय करीब तीन फीसदी है। हरियाणा में अनुसूचित जाति की आबादी का प्रतिशत 20.2 से अधिक है। भाजपा ने जजपा के साथ गठबंधन तोड़कर जाट वोटरों को विभाजित करने का प्रयास किया है। अगर भाजपा और जजपा का गठबंधन जारी रहता, तब लोकसभा चुनाव में जाट समुदाय का बड़ा हिस्सा, कांग्रेस के पक्ष में जा सकता था। इससे चुनावी समीकरण बिगड़ने की आशंका थी। इसकारण भाजपा ने लोकसभा चुनाव की दहलीज पर जजपा से नाता तोड़ लिया।

स्पेनिश तट के पास प्रवासी नाव पर 7 लोगों की मौत, दर्जनों अस्पताल में भर्ती

मैड्रिड। स्पेन के ग्रैन कैनरिया द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण में मंगलवार सुबह एक प्रवासी नाव को बचाए जाने के बाद कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्पेनिश समुद्री बचाव सेवाओं ने यह जानकारी दी। बचाव सेवाओं ने कहा कि जब जहाज पर सवार प्रवासी स्पेनिश तट तक पहुंचने का प्रयास कर रहे थे उसी दौरान ये मौतें गंभीर निर्जलीकरण के कारण हुईं। नाव को एक व्यापारी जहाज ने सोमवार को लगभग शाम आठ बजे देखा, जिसने बचाव सेवाओं को सतर्क कर दिया। सहायता के लिए दो हेलीकॉप्टर और एक बचाव जहाज भेजा गया। प्रवासी नाव पर दो शव मिले, जबकि 34 जीवित बचे थे, जिनमें 27 पुरुष और सात महिलाएं थीं। वे उप-सहारा अफ्रीका से बताए गए हैं। जीवित बचे लोगों ने बताया कि अफ्रीका के उत्तर-पश्चिमी तट से खतरनाक पार करते समय पांच व्यक्तियों की मौत हो गई थी, उनके शरीर समुद्र में फेंक दिए गए थे। कैनरी आइलैंड्स आपातकालीन सेवाओं और रेड क्रॉस ने घाट पर जीवित बचे लोगों के इलाज के लिए एक आपातकालीन केंद्र की स्थापना की। उनमें से अधिकांश गंभीर निर्जलीकरण से पीड़ित थे, जिनमें से दो 24 वर्षीय पुरुषों की हालत गंभीर है। एल हिएरो द्वीप के दक्षिणी तट पर 6 मार्च को एक और प्रवासी जहाज देखा गया। उसमें सवार लोगों में से पांच लोगों की मौत हो गई और 15 को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गाजा में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 31,184 हुआ

गाजा। गाजा पट्टी पर जारी इजरायली हमलों के कारण मारे गये फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,184 हो गई है। गाजा स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों के भीतर इजरायली सेना की कार्रवाई में 72 फिलिस्तीनी मारे गये और 129 अन्य घायल हो गये। इन्हें मिलाकर 07 अक्टूबर, 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 31,184 और घायलों की संख्या 72,889 हो गयी है। चिकित्सा सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दक्षिणी गाजा शहर में कुवैती चौराहे पर सहायता की प्रतीक्षा कर रहे फिलिस्तीनियों की एक सभा पर इजरायली सैनिकों द्वारा की गई गोलीबारी के बाद नौ लोग मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। इज़रायली सेना की ओर से इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

दक्षिण सीरिया में इज़रायली हमलों में 2 विदेशी मारे गये

दमिश्क। दक्षिणी सीरियाई प्रांत कुनेइत्रा में इजरायली हवाई हमलों में दो लोग मारे गए। इनके बारे में माना जा रहा है कि वे विदेशी आतंकवादी थे। युद्ध पर निगरानी करने वाली संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार मारे गये लोगों की पहचान स्पष्ट नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि या तो लेबनानी हिजबुल्लाह या ईरानी मिलिशिया से जुड़े हुए हैं। ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह ने कहा कि हवाई हमलों ने कुनीत्रा ग्रामीण इलाके में खान अर्नबेह के उत्तर में स्थित तेल अहमर क्षेत्र में दो स्थानों को निशाना बनाया। संस्था ने कहा कि इस घटना से पहले इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के साथ सीरियाई सीमा के करीब ईन अल-नौरिया क्षेत्र के पास एक अन्य स्थान को सीधे इजरायल द्वारा लक्षित किया गया था।

पश्चिमी इंडोनेशिया में बाढ़, भूस्खलन से 32 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा प्रांत में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। देश की राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार प्रांत की 12 रीजेंसी में से पांच ने 1,500 से अधिक घर, 50 से अधिक पूजा केंद्र और 10 से अधिक सड़कें बाढ़ और भूस्खलन से क्षतिग्रस्त होने के बाद आपदा, आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। पिछले गुरुवार को पश्चिमी सुमात्रा में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 70 हजार से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इंडोनेशिया में बरसात के मौसम के दौरान अक्सर जल-मौसम संबंधी आपदाओं का अनुभव होता है।

उत्तरी पाकिस्तान में गैस विस्फोट में 2 की मौत, 2 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तरी रावलपिंडी शहर में मंगलवार को गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। रावलपिंडी पुलिस ने मीडिया को बताया कि यह घटना शहर के डाउनटाउन इलाके में एक घर के अंदर हुई और मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं, जो शुरू में गंभीर रूप से झुलस गए और बाद में शहर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने कहा कि घायल लोग भी गंभीर रूप से घायल हैं और घटना की जांच चल रही है। पुलिस ने बताया कि गैस रिसाव के कारण घर का एक हिस्सा आंशिक रूप से ढह गया।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में भारी बारिश के बीच सात लोग लापता

सिडनी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पिछले दिनों हुई बारिश के कारण इस बाहरी ऑस्ट्रेलियाई राज्य में अचानक बाढ़ आने से चार बच्चों सहित सात लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पुलिस बल ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि रविवार को रवाना हुए दो वाहनों में सवार सात लोगों के लिए 'सुरक्षित होने को लेकर गंभीर चिंताएं' व्यक्त कीं। माना जाता है कि एक ऑटोमोबाइल में एक बुजुर्ग ड्राइवर था, जबकि दूसरे में एक बुजुर्ग ड्राइवर और पांच अन्य लोग सवार थे, जिनमें से चार सात से 17 साल की उम्र के बच्चे हैं। राज्य पुलिस ने कहा, 'मौसम की गंभीर स्थिति के कारण इन दोनों वाहनों में सवार लोगों के लिए चिंताएं हैं। यह अज्ञात है कि उनमें सवार लोगों के पास कितना भोजन और पानी है।'

इंडोनेशिया में जहाज डूबने से दो की मौत, 24 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया में दक्षिण सुलावेसी प्रांत के जलक्षेत्र में एक जहाज के डूबने से दो मछुआरों की मौत हो गई और 24 अन्य लापता हो गए है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय खोज और बचाव कार्यालय के एक प्रेस अधिकारी मुहम्मद नूरसल ने कहा कि शनिवार को प्रांत के सेलयार द्वीपों के पास पानी में नौकायन करते समय जहाज भारी लहरों की चपेट में आ गया था। इस घटना का पता द्वीपों के निवासियों को मंगलवार को स्थानीय समयानुसार शाम 19-00 बजे चला जहां पीड़ित फंसे हुए थे। उन्होंने फोन के जरिए बताया, ''तुरंत खोज और बचाव अभियान चलाया गया है। हमारी टीम अब घटनास्थल पर जा रही है।'' उन्होंने बताया कि 37 लोगों को लेकर मछली पकड़ने वाला जहाज पश्चिमी इंडोनेशिया के जकार्ता से मध्य इंडोनेशिया के जलक्षेत्र के लिए रवाना हुआ था। श्री नूरसल ने कहा, ''सेलयार द्वीप पर 13 लोग फंसे हुए हैं, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है।' इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने द्वीपसमूह देश इंडोनेशिया में चरम मौसम की चेतावनी दी है।

चीन के रेस्तरां में विस्फोट, एक की मौत, 22 घायल

बीजिंग। चीन के हेबेई प्रांत के सान्हे शहर में बुधवार को एक रेस्तरां में हुए जबरदस्त धमाके में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है, वहीं 26 लोग घायल हुए हैं। बताया गया है कि धमाका इतना तेज था कि आसपास की कई कारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। चीनी मीडिया की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे बीजिंग से करीब 80 किमी दूर सान्हे शहर में हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विस्फोट एक गैस सिलेंडर के लीकेज के बाद हुआ। चीन के राहत-बचाव विभाग ने कहा कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए 36 वाहन और 154 बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके बाद आग को काबू में कर लिया गया। गौरतलब है कि बीजिंग में कुछ उच्चस्तरीय बैठकों के ठीक बाद ही इस धमाके की खबर आई है।

स्लोवाकिया में सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए और यूक्रेन के समर्थन में नारेबाजी करते हुए लोग।

बाइडन और ट्रंप ने जीते राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के चुनाव, दोनों फिर होंगे आमने-सामने

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने वाशिंगटन में डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में, वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर अपनी पार्टियों की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की ओर कदम बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति बाइडन (81) ने जॉर्जिया में पार्टी के प्राइमरी चुनाव में आसानी से जीत हासिल की और अब वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवार बन गए हैं। बाइडन को कुल 3,933 डेलीगेट्स(मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) में से आधे से अधिक का समर्थन मिल चुका है। डेमोक्रेट उम्मीदार बनने के लिए 1,968 डेलीगेटस की जरूरत होती है। बाइडन को अगस्त में शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप (77) को अब तक 1,215 डेलिगेट का समर्थन मिल चुका है। ट्रंप को जुलाई में मिल्वॉकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में आधिकारिक तौर पर उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडन का अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं बाइडन की ओर से एक बयान जारी करके जीत तथा उम्मीदवारी पर प्रसन्नता व्यक्त की गई और ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया गया। बाइडन ने कहा कि ट्रंप, 'आक्रोश, प्रतिशोध का अभियान चला रहे हैं जो अमेरिका के मूल विचार को खतरे में डालता है।' मंगलवार को प्राइमरी चुनाव की पूर्व संध्या पर ट्रंप ने स्वीकार किया था कि बाइडन ही उनके सामने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

5 दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, पीएम मोदी के सामने बयां कर सकते हैं दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे जनवरी में शीर्ष कार्यालय का कार्यभार संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा में गुरुवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 14 से 18 मार्च तक भूटानी नेता की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि टोबगे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। भूटानी नेता का मुंबई जाने का भी कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भूटान के प्रधान मंत्री की यात्रा दोनों पक्षों को हमारी अनूठी साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के स्थायी संबंधों का विस्तार करने के तरीकों और साधनों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

टोबगे के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा जिसमें भूटानी विदेश और विदेश व्यापार मंत्री, ऊर्जा मंत्री और उद्योग और वाणिज्य मंत्री शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित मित्रता और सहयोग के अनुकरणीय संबंध हैं। यात्रा के दौरान, भूटान के प्रधान मंत्री राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और भारत के प्रधान मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर भूटानी प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। जनवरी में, विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने तीन दिवसीय यात्रा पर भूटान की यात्रा की, जो टोबगे के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद नई दिल्ली से पहली उच्च स्तरीय यात्रा थी।

चीन और भूटान की पृष्ठभूमि में टोबगे की भारत यात्रा उनके सीमा विवाद के शीघ्र समाधान पर विचार कर रही है जिसका भारत के सुरक्षा हितों पर प्रभाव पड़ सकता है। लगभग पांच महीने पहले, भूटान के तत्कालीन विदेश मंत्री टांडी दोरजी ने बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बातचीत की थी। वार्ता पर एक चीनी रीडआउट में कहा गया कि भूटान दृढ़ता से एक-चीन सिद्धांत का पालन करता है और सीमा मुद्दे के शीघ्र समाधान के लिए चीन के साथ काम करने और राजनयिक संबंध स्थापित करने की राजनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। चीन की तरफ से अपने पड़ोसियों पर हमेशा बुरी नजर रखता है। चीन की जमीन हड़पने की नीति से ताइवान, भूटान, नेपाल सभी परेशान हैं। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे पीएम पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को भारत के पांच दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान शेरिंग पीएम मोदी के सामने अपना दर्द बयां कर सकते हैं।

संप्रभुता व स्वतंत्रता को हुआ खतरा तो रुस करेगा परमाणु हथियार का इस्तेमालद्ध पुतिन

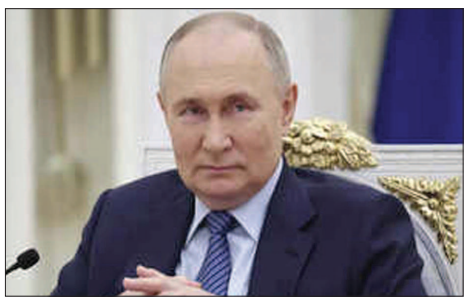

मास्को (एजेंसी)। रुस पर यदि संप्रभुता और स्वतंत्रता को लेकर किसी प्रकार का कोई खतरा उत्पन्न होता है तो परमाणु हथियार का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इस आशय का जवाब रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिया है। दरअसल यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर विचार करने का सवाल रूसी राष्ट्रपति पुतिन से किया गया था। उन्होंने अपने जवाब में कहा, कि यहां फिलहाल उसकी (परमाणु हथियारों की) जरूरत नहीं है। पुतिन ने दावा किया है कि मॉस्को यूक्रेन में अपने मकसद को पूरा करेगा। इसी के साथ उन्होंने यूक्रेन और पश्चिमी देशों को चेतावनी दी कि यदि रूस की संप्रभुता और स्वतंत्रता पर खतरा उत्पन्न होता है तो वह परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की मदद के चलते ही यूक्रेन, रूस पर हमलावर हो रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा, कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका इस तनावपूर्ण स्थिति में जबकि परमाणु युद्ध शुरू हो सकता है, को बढ़ने से रोकने की कोशिश अवश्य ही करेगा। वैसे रूस का परमाणु बल किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उन्होंने बातचीत के लिए हमेशा दरवाजे खेले रखे हैं। इस स्थिति में पश्चिमी देशों के साथ किसी भी प्रकार के समझौते के लिए पक्की गारंटी की आवश्यकता होगी।

अमेरिका को प्रवासी भारतीयों की जरूरत है : सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने कहा है कि उनके देश को भारत से अधिक योग्य पेशेवरों की जरूरत है। सांसद मैट कार्टराइट ने ग्रीन कार्ड जारी करने के वास्ते देश के लिए सात प्रतिशत कोटा खत्म करने की भी वकालत की। इसकी वजह से भारत से यहां आने वाले पेशेवरों को ग्रीन कार्ड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। कार्टराइट ने हर साल ग्रीन कार्ड जारी करने में प्रति देश सात प्रतिशत कोटा हटाने की 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा' (एफआईआईडीएस) सहित भारतीय अमेरिकी संगठनों की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि हमने इसे हर देश के लिए सात प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। इससे भारत जैसे बड़े देशों को बहुत नुकसान होता है। न केवल बड़े, बल्कि अत्यधिक कुशल भी। भारत में अत्यधिक शिक्षित लोग हैं।'' एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि यह जरूरी है कि अमेरिका की भारत के साथ करीबी और स्थायी दोस्ती हो। कार्टराइट ने कहा, ''दोनों देशों के बीच होने वाला अंतरराष्ट्रीय व्यापार महत्वपूर्ण है।

पृथ्वी के आकार से दोगुना बडा तूफान है अंतरिक्ष में

-अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने अंतरिक्ष यान जूनो द्वारा ली गई बृहस्पति पर 'ग्रेट रेड स्पॉट' की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। बृहस्पति पर ग्रेट रेड स्पॉट, एक तूफान है जो पृथ्वी के आकार से दोगुना है और 350 से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है।

नासा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'हमारे अंतरिक्ष यान जूनो ने लगभग 8,648 मील (13,917 किमी) दूर से बृहस्पति के ग्रेट रेड स्पॉट को इस रियल रंगीन चित्र में कैद किया।' उन्होंने कहा कि तूफान का आकार धीरे-धीरे घट रहा है। इसकी ऊंचाई आठ गुना और चौड़ाई एक तिहाई कम हो रही है। नासा ने यह भी बताया कि, 'वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे सौर मंडल का सबसे प्रतिष्ठित तूफान 350 से अधिक वर्षों से जारी है, हालांकि डेटा से पता चलता है कि तूफान सिकुड़ रहा है, इसकी ऊंचाई आठ गुना कम हो रही है और इसकी चौड़ाई कम से कम एक तिहाई कम हो रही है, क्योंकि इसे 1979 में हमारा वोयाजर अंतरिक्ष यान द्वारा मापा गया था। उसके बाद से इसके आकार में कमी देखी गई। नासा ने आगे लिखा कि, 'द ग्रेट रेड स्पॉट अभी भी पृथ्वी से दोगुना बड़ा है, और जूनो के हालिया रिसर्च से संकेत मिलता है कि तूफान इस ग्रह के बादलों के नीचे लगभग 200 मील (300 किमी) तक डूबा हुआ है। चूंकि बृहस्पति पर कोई ठोस जमीन नहीं है, जो इन तूफानों को कमजोर कर सके, ग्रेट रेड स्पॉट में हवाएं लगभग 400 मील प्रति घंटे (643 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से चलती हैं।' नासा द्वारा साझा की गई तस्वीर के बीच में ग्रेट रेड स्पॉट दिखाती है, जो लाल, भूरे और नारंगी रंग के सर्पिल तारों से घिरा हुआ है। चित्र का ऊपरी भाग बृहस्पति के क्षितिज को विषम बेज, भूरे और नीले रंग में दिखाता है। बता दें कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अक्सर हमारे ग्रहों, आकाशगंगाओं और उससे आगे की अंतरिक्ष की तस्वीरें शेयर करते रहता है, जिससे हमे ब्रह्मांड के बारे में कई रहस्यमयी जानकारियां मिलती है।

पाकिस्तान: चाचा पीएम बने तो भतीजों की हुई वतन वापसी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजनीति में जो भी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठता है उसे बाद में कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ता है। नवाज शरीफ के पीएम पद से हटते ही उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अब पाकिस्तान की सत्ताधारी मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीम लीडर नवाज शरीफ के बेटे हुसैन और हसन छह साल बाद देश लौट आए हैं। हुसैन और हसन की पाकिस्तान वापसी ऐसे समय में हुई है जब उनके चाचा शहबाज शरीफ ने पहली बार चुनाव जीतकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की कमान संभाली है। 2016 के पनामा पेपर्स घोटाले में नाम आने के बाद हसन नवाज और हुसैन नवाज ने 2018 में पाकिस्तान छोड़ दिया था। यह मामला शरीफ परिवार के पास लंदन में शानदार अपार्टमेंट होने से संबंधित है। एक जवाबदेही अदालत ने उन्हें 2018 में एवेनफिल्ड मामले में अपराधी घोषित किया था और उनके खिलाफ गैर-जमानती स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

गिरफ्तारी से बचने के लिए वे लंदन चले गए थे। हालांकि जवाबदेही अदालत ने पनामा पेपर्स घोटाले में उनकी गिरफ्तारी वारंट को निलंबित कर दिया है। पीएमएल-एन पार्टी ने एक बयान में कहा, ''नवाज के बेटे मंगलवार को लंदन से यहां पहुंचे और उन्हें कड़ी सुरक्षा में उनके 'जाति उमरा लाहौर' स्थित उनके घर ले जाया गया। नवाज शरीफ पीएमएल-एन के प्रमुख हैं। शरीफ परिवार के 'जाति उमरा' आवास को पहले ही मुख्यमंत्री आवास घोषित किया जा चुका है, जहां पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज और उनके पिता नवाज शरीफ की सुरक्षा और प्रोटोकॉल के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हुसैन और हसन ने अपने वकील के माध्यम से इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत में आवेदन किया और एवेनफील्ड अपार्टमेंट, अल-अजीजिया और 'फ्लैगशिप इन्वेस्टमेंट' मामलों में उनके खिलाफ जारी वारंट को निलंबित करने का अनुरोध किया जिसे स्वीकार कर लिया गया। पिछले हफ्ते अदालत ने पनामा पेपर्स घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में उनके गिरफ्तारी वारंट को 14 मार्च तक के लिए निलंबित कर दिया था।दोनों भाई ब्रिटिश नागरिक हैं। इन दोनों को 2018 में उनके पिता नवाज शरीफ, बहन मरियम नवाज और उनके पति मुहम्मद सफदर के साथ इन मामलों में फंसाया गया था।

यूक्रेन को 30 करोड़ डॉलर का नया हथियार पैकेज भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका यूक्रेन को 30 करोड़ डॉलर (23.4 करोड़ पाउंड) के सैन्य हथियार भेजेगा, जिसमें गोला-बारूद, रॉकेट और विमान भेदी मिसाइलें शामिल हैं। मीडिया रिपोर्टों में व्हाइट हाउस के हवाले से यह बात कही गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस में इस संबंध में एक विधेयक पेश कर उस पर चर्चा की गई। अमेरिका लगभग तीन महीने बाद यूक्रेन की मदद के लिए कोई शिपमेंट भेजेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यह सहायता 'यूक्रेन की युद्धक्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है'। उन्होंने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, 'यह गोला-बारूद यूक्रेन की बंदूकों को कुछ समय के लिए रुकने नहीं देगा, लेकिन काफी कम समय के लिए।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस कई महीनों से कांग्रेस से एक बजट पारित करने की अपील कर रहा है, जिसमें यूक्रेन के साथ-साथ इज़रायल और ताइवान को भी सहायता दिये जाने की बात है। 60 अरब डॉलर का सहायता बिल पहले ही सीनेट में पारित हो चुका है, लेकिन अभी तक प्रतिनिधि सभा में इसे मतदान के लिए नहीं रखा गया है। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने अब तक सीनेट विधेयक पर विचार करने से इनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी जॉनसन ने कहा है कि सदन अपने स्वयं के सहायता विधेयक पर मतदान करेगा, लेकिन केवल कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन प्रणाली में सुधार करने वाला बजट पारित करने के बाद। मंगलवार का हथियारों और उपकरणों का आपातकालीन पैकेज यूक्रेन के पहले के हथियार अनुबंधों में की गई लागत बचत से वित्त पोषित है। सहायता की घोषणा तब हुई जब राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के लिए समर्थन दिखाने के लिए व्हाइट हाउस में पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की मेजबानी की। बैठक के बाद, टस्क ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जॉनसन 'पहले से ही जानते हैं कि, उनके व्यक्तिगत निर्णय पर, लाखों लोगों का भाग्य निर्भर करता है'। पोलिश प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह कोई राजनीतिक झड़प नहीं है जो केवल अमेरिका में ही मायने रखती है।' 'जॉनसन के इस सकारात्मक निर्णय की अनुपस्थिति वास्तव में (यूक्रेन में) हजारों लोगों की जान ले लेगी। बच्चे। महिलाएं। उन्हें अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बारे में पता होना चाहिए।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को डेनमार्क ने घोषणा की कि वह यूक्रेन को लगभग 33.6 करोड़ डॉलर का गोला-बारूद भेजेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमर ज़ेलेंस्की ने पिछले महीने कहा था कि हथियारों की 'कृत्रिम कमी' के कारण देश ने हाल के महीनों में युद्ध में अपनी पकड़ खो दी है।

संपादकीय

निकालें बात से काम की बात

हमें हमेशा खुश रहना सीखना चाहिये ,लोगो को वही लोग पसंद आते हैं जो हमेशा खुश रहते हैं , क्योंकि लोग जब भी उदास होते है तो लोग उदास लोगों के पास जाना तक पसंद नही करते हैं, लोग हमेशा खुश रहने वालों से ही मिलना पसंद करते है,अत: हमें खुश रहना सीखना होगा, खुश रहने वाले लोग दूसरों को तो पसन्द आते ही है बल्कि खुश रहना हमारी सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है इसलिए हमेशा खुश रहैं, खुश रहने की स्थिति सिर्फ अभिनय ही नहीं दिल से खुश रहें। आपसी सौहार्द विनम्रतापूर्वक व्यवहार से होता है।विनय भाव बहुत बड़ा तप है ।निर्जरा का और हम सबमें सामंजस्यपूर्ण व्यवहार के लिए समर्पण भाव बहुत उपयोगी होता है।अक्खड़पन से ,जबरदस्ती से कुछ काम शायद बन भी जाएं,लेकिन टिकाऊपन नहीं हो सकता उसमें।हम अपने विनयपूर्ण सदाचरण से झुककर सबसे शीर्ष स्थान ,सबके हृदय में अपनी जगह बना लेते हैं।किसी ने कहा जहां काम प्यार से होता है,वहां जबरदस्ती क्यों कि जाएं।प्यार में बहुत बड़ी ताकत होती है और उसके मुल में विनम्रता होती है।विनम्रता स्नेह का सूक्ष्म पाश है,जिससे किसी को भी अपना बनाया जा सकता है।विनय पूर्वक व्यवहार को हमे अपने जीवन के सदाचरण में लाना है,जिसे अपनाकर हम अपने आत्मकल्याण में आगे बढ़ सकते है और व्यवहारिक जगत में भी। इसलिये कहा है कि अनगिनत शब्दों में से बहुत सी काम की बात निकल सकती है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

सीएएः मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं

(लेखक-मुस्ताअली बोहरा)

-- नागरिकता देने के लिए है कानून, छीनने के लिए नहीं

आखिरकार एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चैंकाने वाला फैसला लेते हुए नागरिकता संशोधन कानून को लागू कर दिया। सीएए को लागू करना चैंकाने वाला नहीं था बल्कि ऐन रमज़ान पर लागू करने वाला चैंकाने वाला था। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मोदी के इस कदम के कई मायने निकाले जा रहे हैं। ये वही कानून है, जिसे लेकर कुछ साल पहले देश भर में कई प्रदर्शन हुए थे। दरअसल सीएए को लेकर या तो ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर उन्हें गुमराह किया जा रहा है। ये कानून नागरिकता देने के लिए लाया गया है ना कि नागरिकता छीनने के लिए। हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के शरणार्थी लोग सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए लोगों को नागरिकता दी जाएगी। भारत में पांच साल से ज्यादा वक्त से रहने वाले लोग इसमें आवेदन कर सकते हैं। जहां तक इसके विरोध या विवाद का प्रश्न है तो वो इसलिए हो रहा है कि क्योंकि सीएए के तहत मुस्लिमों को नागरिकता देने का प्रावधान नहीं रखा गया है। सीएए का विरोध करने वाले लोगों का कहना है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में किसी एक समुदाय को छोड़ने वाला कानून नहीं लाया जाना चाहिए। मुस्लिम समुदाय के लोग भारत में शरण लेने के 11 साल बाद नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं। 2019 में जब सीएए संसद में पास किया गया था तब ये कहा जा रहा था कि सीएए के बाद सभी को कागज दिखाने होंगे। हालांकि, ऐसा बिल्कुल नहीं है। भारत में रहने वाले लोगों पर इस कानून का कोई भी असर नहीं पड़ने वाला है। ये कानून सिर्फ उन लोगों के लिए है, जो दूसरे देशों से भारत आए हैं और नागरिकता दिए जाने की मांग कर रहे हैं। भारत में रहने वाले लोगों को संविधान के तहत नागरिकता का अधिकार है। उत्तर पूर्व के ज्यादातर हिस्सों को सीएए से छूट दी गई है। असम के आदिवासी इलाके, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा संविधान की छठी अनुसूची के तहत आते हैं। अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागलैंड और मणिपुर को सीएए के प्रावधानों से छूट दी गई है। 11 मार्च 2024 को नागरिकता संशोधन नियम लागू होने के बाद अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में आए थे, उन्हें भारतीय नागरिकता बिना वैध पासपोर्ट और भारत के वीजा के बिना मिल सकती है। इन तीनों देशों के गैर-मुस्लिम धार्मिक अल्पसंख्यक अपने माता-पिता, दादा-दादी या उनसे भी पीछे की पीढ़ी की राष्ट्रीयता के दस्तावेज दिखाकर भारत की नागरिकता हासिल कर सकते हैं। वीजा के बदले स्थानीय निकाय के निर्वाचित सदस्य की ओर से जारी सर्टिफिकेट भी मान्य होगा। नागरिकता दिए जाने के लिए पाकिस्तान, बांग्लादेश या अफगानिस्तान पासपोर्ट और भारत की ओर से जारी रिहाइशी परमिट के बजाय जन्म या शैक्षणिक संस्थानों के सर्टिफिकेट, लाइसेंस, सर्टिफिकेट, मकान होने या किराएदार होने के दस्तावेज पर्याप्त होंगे। वैध वीजा, एफआरआरओ यानी फॉरनर रजिस्ट्रेशन ऑफिस की ओर से जारी रिहाइशी परमिट, जनगणना करने वालों की ओर से जारी पर्ची, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, राशन कार्ड, भारत सरकार या अदालत की ओर से जारी कोई पत्र, भारत का जन्म प्रमाण पत्र, जमीन या किराएदार से जुड़े दस्तावेज, रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट, पैन कार्ड इश्योरेंस डॉक्यूमेंट, केंद्र, राज्य, बैंक या पीएसयू की ओर से जारी दस्तावेज, रेवन्यू ऑफिसर की ओर से जारी कागज, किसी ग्रामीण या शहरी निकाय के चुने सदस्य की ओर से जारी दस्तावेज, पोस्ट ऑफिस अकाउंट, इंश्योरेंस पॉलिसी, बिजली, पानी बिल, ईपीएफ डॉक्यूमेंट, स्कूल सर्टिफिकेट, अकादमिक सर्टिफिकेट, म्युन्सिपेलिटी व्यापार लाइसेंस, मैरिज सर्टिफिकेट आदि को सबूत माना जाएगा। उन दस्तावेजों को भी मान्यता दी जाएगी, जिसमें माता-पिता या दादा-दादी के तीन में से एक देश के नागरिक होने की बात होगी। इन दस्तावेजों को स्वीकार किया जाएगा, फिर चाहे ये वैधता की अवधि को पार ही क्यों ना कर गई हो। इन दस्तावेजों को ऑन लाइन जमा करना होगा। सुरक्षा एजेंसी दस्तावेजों की जांच करेगी और फिर इसे आगे बढ़ाएगी। नए नियमों में इम्पावर्ड कमिटी और जिला स्तर पर केंद्र की ओर से ऐसी कमिटी बनाई जाएगी जो आवेदनों को लेगी और प्रक्रिया शुरू करेगी। इम्पावर्ड कमिटी का एक निदेशक होगा, डिप्टी सेक्रेटरी होंगे, नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर के स्टेट इंफॉर्मेटिक्स ऑफिसर, राज्य के पोस्टमास्टर जनरल बतौर सदस्य होंगे। इस कमिटी में प्रधान सचिव, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और रेलवे अधिकारी होंगे। जिला स्तर की कमिटी के प्रमुख ज्यूरिसडिक्शनल सीनियर सुपरिटेंडेंट या सुपरिटेंडेंट होंगे. इस कमिटी में जिले के इंफॉर्मेटिक्स ऑफिसर और केंद्र सरकार की ओर से एक नामित अधिकारी होगा। इसमें दो और लोगों को जगह दी जाएगी, जो तहसीलदार या जिलाधिकारी के स्तर का होंगे। सीएए के तहत पंजीकृत हर भारतीय को एक डिजिटल सर्टिफिकेट दिया जाएगा। मोदी सरकार ने सीएए में ऐसे बदलाव किए हैं कि नागरिकता दिए जाने की प्रक्रिया में राज्य सरकारों की भूमिका ज्यादा ना हो। ये बदलाव इसलिए है कि राज्य सरकारों के इस कानून के विरोध करने से निपटा सकेगा। जब सीएए संसद में पास हुआ था तब भी कुछ और राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसकी खिलाफत की थी। इस बार भी सबसे पहले ममता बनर्जी ने केन्द्र पर हमला बोला है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीएए का विरोध करते हुए कहा है कि आखिर रमजान के पहले ही इसे क्यों लागू किया गया है। उन होंने कहा कि 2019 में असम में एनआरसी के नाम पर 19 लाख में से 13 लाख बंगाली हिंदू को लिस्ट से हटा दिया गया था, कई लोगों ने आत्महत्या की थी। मैं पूछती हूं, अगर वे लोग दर्खास्त करेंगे तो क्या उन्हें नागरिकता मिलेगी? उनके बच्चे का भविष्य क्या होगा? उनकी संपत्ति का क्या होगा? जाहिर है पीएम मोदी को इसके विरोध का अंदेशा पहले से ही था। लिहाजा अब, मोदी सरकार ने ऐसे विरोध से निपटने के लिए कानून में बदलाव कर दिया है। वैसे तो इसे काफी पहले ही लागू हो जाना था लेकिन भाजपा सरकार ने मौके की नजाकत को भांपते हुए इसे लागू किया है। सीएए 11 दिसंबर 2019 को संसद से पास हुआ था और इस पर राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी। लेकिन इसके नियमों की अधिसूचना जारी नहीं हुई थी। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले इसे लागू कर दिया गया है। मालूम हो कि सीएए को लेकर देश भर में विरोध-प्रदर्शन हुआ था। केंद्र सरकार ने सीएए के बाद देश भर में एनआरसी लागू करने की बात कही थी। एनआरसी के तहत भारत के नागरिकों का वैध दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्रेशन होना था। सीएए के साथ एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता खत्म करने के रूप में देखा गया था। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात जो कि गैर सरकारी धार्मिक संगठन हैं, के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन बरेलवी ने सीएए के लागू होने पर कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। सीएए को लेकर पूर्व में हुए विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक लोगों ने गलतफहमियां पैदा की थीं। बहरहाल, सीएए के बाद एनआरसी की बारी है, देखिए आगे-आगे होता है क्या.....।

(अधिवक्ता एवं लेखक)

अपूर्णता में भी है जीवन की खूबसूरती

अंतर्मन/ रेनू सैनी

अपूर्णता, अस्पष्टता और कमी को लोग पसंद नहीं करते। जबकि ईश्वर ने मनुष्य को प्राकृतिक रूप से ऐसा बनाया है कि वह कभी पूर्ण हो ही नहीं सकता। हर मानव के अंदर ये तीनों बातें किसी न किसी मात्रा में अवश्य पाई जाती हैं :- अस्थिरता का होना, सभी इच्छाओं और कामनाओं को पूरा करने की असंभवता, शून्य और रिक्तता का होना और उच्च लक्ष्य की आकांक्षा। प्रकृति यही संदेश देती है कि जीवन की खूबसूरती उसकी अपूर्णता में ही है। अपूर्णता सुंदर ही इसलिए है क्योंकि इसमें सदा संभावना के द्वार खुले रहते हैं। वाबी साबी अवधारणा जीवन को बहुत ही सुंदर तरीके से परिभाषित करती है। यह बताती है कि अधूरेपन में ही आनंद है। अधूरेपन की सुंदरता आकर्षक होती है क्योंकि उसे पूरा करने की चाहत बरकरार रहती है। वाबी-साबी का दर्शन प्रत्येक व्यक्ति को जीने की नई राह दिखाता है, वह यह सिखाता है कि चीजों या मनुष्यों का अपूर्ण होना उन्हें गति देता है, जबकि पूर्णता से विराम लग जाता है। जब व्यक्ति सीढ़ियों पर चढ़ता है तो अगली सीढ़ी पर पहुंचते हुए उसके मन में यह जिज्ञासा रहती है कि अभी कितनी और सीढ़ियां बाकी हैं। सभी सीढ़ियों को चढ़ने के बाद उसकी वह जिज्ञासा उसी पल खत्म हो जाती है। हमारे हृदय और आसपास जिज्ञासाओं का बने रहना बहुत जरूरी है। जिज्ञासाएं भी तभी मन में उमड़ती हैं, जब अपूर्णता शेष रहती है। यदि कहीं कमी या अपूर्णता न रहे तो कुछ जानने को बचता ही नहीं है। हर जगह और हर क्षण परिवर्तनशील है। जो अभी है, कुछ देर में वह दृश्य बदल जाएगा। नया दृश्य और नई परिस्थितियां व्यक्ति के अनुभव में एक और टांका जोड़ेंगी। अधिकतर व्यक्ति अपना जीवन अप्रसन्नता में सिर्फ इसलिए काट देते हैं क्योंकि वे उस पूर्णता की तलाश में रहते हैं जो कभी होती ही नहीं है। प्रसन्न रहने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि जो कमी है, उसी के साथ खुश रहने का प्रयास किया जाए और उनमें निरंतर सुधार किया जाए। निम्न सत्य घटना प्रत्येक व्यक्ति को यही सिखाती है। डिक होइट एक अमेरिकी सिपाही थे। वर्ष 1962 में उनके बेटे रिक का जन्म हुआ। वह सेरिब्रल रोग के साथ पैदा हुआ था। वह बोल और चल नहीं सकता था। इससे डिक और उनकी पत्नी जूडी बुरी तरह टूट गए। कुछ समय बाद डिक और जूडी सामान्य हुए। दोनों ने ठान लिया कि वे रिक के सामने सदैव ऐसा व्यवहार करेंगे कि कुछ भी असंभव नहीं होता। कुछ भी पूर्ण नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर अपूर्णता विद्यमान होती ही है, बस उस के रूप बदल जाते हैं। उन्होंने रिक को यही सब समझाया और बताया। जब रिक बारह साल का हुआ तो उसने एक कंप्यूटर प्रोग्राम की सहायता से अपनी भावनाओं को व्यक्त करना शुरू किया। कंप्यूटर रिक के सिर की गतिविधियों को शब्दों और वाक्यों में बदलता था। रिक ने पहली बार अपने सिस्टम पर 'गो ब्रूइंस' शब्द कहे। इससे डिक और जूडी को लगा कि रिक को खेलों में रुचि है। बस फिर क्या था? डिक ने डॉक्टर की हर बात को अनुसना करते हुए रिक के साथ एक टीम बनाने की सोची। यह टीम थी-टीम होइट। इस टीम में देश के सबसे कठिन मैराथन और ट्राइथैलन के लिए प्रशिक्षण लिया जा सकता था। वर्ष 1977 में डिक और रिक की पहली दौड़ के साथ ही टीम होइट प्रसिद्ध हो गई। दर्शकों ने जब यह देखा कि डिक अपने डेढ़ सौ पाउंड के बेटे रिक को अपनी बाइक की अगली सीट पर बिठाकर ले जाते हैं तो उन्होंने दांतों तले अंगुली दबा ली। डिक तैरते हुए उसे अपने पीछे आ रही नाव में खींचते थे और मैराथन प्रसंगों में उसकी व्हीलचेयर को धकेलते थे। इन दोनों पिता-पुत्र ने मिलकर हज़ार से अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में दो पचास ट्राइथैलन और छह आयरनमैन इवेंट्स भी शामिल थे। यह सब कुल मिलाकर मैराथन के 26.2 मील, साइकिलिंग के 112 मील और तैराकी के 2.4 मील रहे। सभी जानते हैं कि ये अत्यंत कठिन प्रतियोगिताएं हैं। डिक ने रिक को बचपन से कठिन कार्यों के लिए प्रशिक्षित कर यह साबित कर दिया कि अपूर्णता में ही आनंद है। अपूर्णता को पूर्णता की ओर ले जाने का प्रयास करने वाला व्यक्ति पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन जाता है। आज भी इनकी कहानी पूरी दुनिया को राह दिखाती है। यह कहानी बताती है कि किस प्रकार अपूर्ण होते हुए भी जीवन को श्रेष्ठ और आनंदमय तरीके से जिया जा सकता है। एक बहुत सीधी सरल बात है कि जब तक व्यक्ति का जन्म नहीं होता, तब तक भी सब कुछ विधिवत चल रहा होता है। उसकी मृत्यु के बाद भी चीजें अनवरत होती रहती हैं। अगर व्यक्ति अपने आप में पूर्ण होता तो उसके रहने या न रहने से चीजें पलट जातीं। इस धरती पर सम्राट हो या फकीर, प्रत्येक व्यक्ति अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर मृत्यु को प्राप्त होता है। व्यक्ति की इच्छाएं अंत तक अपूर्ण ही रहती हैं, कुछ और करने की चाह, कुछ और पाने की आकांक्षा। सोचिए जब जीवन के इतने बड़े सच को हम सहजता से स्वीकार कर लेते हैं तो अपनी कमियों और अपूर्णता को स्वीकार करने से क्यों डरते हैं। वाबी-साबी को जीवन में उतार लीजिए। अपूर्णता से डर नहीं लगेगा, सकारात्मक तरह से उसे पूरा करने की चाह आपको श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम की ओर ले जाएगी।

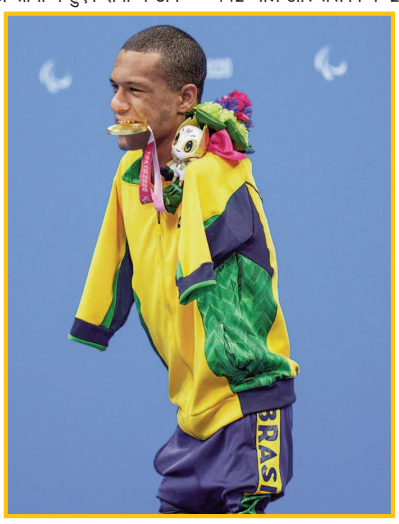

लोकतांत्रिक व्यवस्था में आर्थिक विकास

(लेखक - सनत जैन)

भारत में अब एक नई बहस छिड़ गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आर्थिक विकास कम होता है। सामाजिक विकास पर भी इसका असर पड़ता है। औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैसा नहीं होता है। जैसा तानाशाही व्यवस्था में होता है। शासन व्यवस्था में तानाशाही या लोकतां त्रक व्यवस्था में शासक को लेकर नई बहस छिड़ गई है। 1975 मे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। इसके बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिले थे। लगभग 18 माह में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियां नियंत्रित एवं बेहतर हो गई थी। उसी दौर में तेजी के साथ विकास भी हुआ। लोग समय पर ऑफिस पहुंचने लगे थे। अपराधी भयभीत हो गए थे। ट्रेन और बसें निर्धारित समय पर चलने लगी थी। हरित क्रांति जैसे कार्य आपातकाल में ही संभव हो सके। पंचवर्षीय योजनाओं का सफल क्रियान्वन भी इन्ही 18 माह में सबसे अच्छा देखने को मिला। कारोबारी भी ईमानदारी के साथ सरकार के कानून का पालन कर रहे थे। लोकतांत्रिक व्यवस्था से क्या विकास पिछड़ता है। इसको लेकर भी कई दावे किए जा रहे हैं। आपातकाल जब भारत में लगा था। तब यह कहा गया लोकतंत्र को बड़ी छति पहुंचाई गई है। लोगों के मौलिक अधिकार खत्म हो गए। आपातकाल में भारत मे तेजी के साथ विकास भी हुआ। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। कानून व्यवस्था की स्थिति भी उसे समय सबसे अच्छी थी। इंदिरा गांधी के ऊपर अंतरराष्ट्रीय दबाव था, भारत में आपातकाल खत्म करके लोक तांत्रिक व्यवस्था को बहाल करें। जिस तरह के परिवर्तन 18 महीने में देखने को मिले थे। उसके बाद यह दावा किया जा रहा था, चुनाव होने पर इंदिरा गांधी को एक तरफा जीत मिलेगी। यही कारण था, इंदिरा गांधी ने आपातकाल हटाने की घोषणा करने के साथ ही चुनाव का भी ऐलान कर दिया था। 1977 में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए। भारत में पहली बार आपातकाल लगाया गया था। जैसे ही आपातकाल हटा, उसके बाद अफवाहों ने जोर पकड़ा। मीडिया भी सेंसरशिप के कारण सरकार से नाराज था। मात्र 2 महीने में ऐसा माहौल बना,जिसके कारण इंदिरा गांधी को उत्तर भारत के राज्यों में करारी पराजय का सामना करना पड़ा। कौशिक बसु विश्व बैंक के पूर्व चीफ इकोनॉमिस्ट रहे हैं। उन्होंने अपने लेख में 3 अगस्त 2010 की घटना का जिक्र किया है। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति में अमर्त्य सेन ने भारत की विदेश नीति की तीखी आलोचना की थी। उनकी आलोचनाओं का जवाब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने भाषण में इस मंच से दिया। कार्यक्रम खत्म होने के बाद अमर्त्य सेन और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह विचार विमर्श करते हुए सभा हाल से बाहर निकले। वर्तमान में इस तरह की आलोचना को राष्ट्रद्रोह मान लिया जाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी विषय के निर्णय में विलंब होता है। लोग अपने-अपने तरीके से अपनी-अपनी बातें रखते हैं। निर्णय में पारिदर्शिता और जवाब देही होती है। जब तानाशाही शासन होता है। तब कोई विरोध करने का साहस नहीं करता है। जल्द निर्णय होते हैं, उनमें पारद र्शिता और जवाबदेही नहीं होती है। निर्णय अच्छे हैं, या गलत हैं। इसका फैसला भविष्य करता है। जो भी निर्णय लिए जाते हैं, उनके अनुसार काम जल्द होना शुरू हो जाते हैं। जिसके कारण औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं आर्थिक विकास की गति बढ़ जाती है। यह कितना सही है, यह कहना मुश्किल है। बहरहाल भारत में इस समय अघोषित आपातकाल जैसे हालात हैं। मीडिया पूरी तरीके से सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वैसे ही निर्णय लिए जा रहे हैं। जैसे आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी के नाम पर निर्णय लिए जाते थे। अदालतें,जांच एजेंसियांएवं सरकारी विभाग सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में जो विकास कार्य हुए हैं,वह दिख रहे हैं। आर्थिक आधार मजबूत हुआ है। शासन व्यवस्था में तानाशाही देखने को मिल रही है। तानाशाही के दौर में अर्थव्यवस्था में अल्पकालिक बढ़ावा जरूर मिलता है। लेकिन यह स्थाई नहीं होती है। 1975 के घोषित आपातकाल और 2014 के अघोषित आपातकाल की स्थिति को देखने से यही लगता है। 1975- 76 में भारत की विकास दर 3.5 फीसदी से बढ़कर आपातकाल में 9 फीसदी पर पहुंच गई थी। जो उस समय अकल्पनीय था। आपातकाल खत्म होने के बाद 79-80 मे विकास दर घटकर 5.2 फीसदी पर आ गई थी। 2003 के बाद वैश्विक व्यापार संधि के कारण भारत की विकास दर तेजी से बढ़ना शुरू हुई।

रावी नदी के दक्षिणी किनारे पर बसा हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर चंबा कला और प्राकृतिक परिदृश्य का अद्भुत संगम है। राजा साहिल वर्मा ने इस पहाड़ी शहर की खोज की और अपनी बेटी चंपावती के नाम पर इसका नाम चंबा रखा। चंबा की खूबसूरती को यहां का शांत वातावरण बढ़ा देता है। इसी कारण यह छुट्टी मनाने के लिए बेहतरीन जगहों में से एक है। शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर पर्यटक यहां आकर सुकून महसूस करते हैं। प्रकृति से प्रेम रखने वाले लोगों के लिए चंबा से बढ़ कर कोई जगह नहीं।

सभी को बुलाती है चंबा की खूबसूरत वादियां

चंबा की तीन तरफ बर्फीले पर्वत श्रेणियां इसकी खूबसूरती बढ़ा देती हैं। पहला दौलधर (बाहरी हिमालय) दूसरा पीर-पंजल (मध्य हिमालय) और तीसरा जैसकर पर्वतमाला या आंतरिक हिमालय। चंबा का शांत वातावरण मनोहारी दृश्य, ताजी हवा, ऊंचे पहाड़ और बेहतरीन ढलान आकर्षित करते हैं। चंबा और उसके आसपास की जगह पर्यटकों को मानो बुलाती हैं। यहां आकर पर्यटक इनकी खूबसूरती में खो जाते हैं। कल-कल बहता पानी, पहाड़, झरने और स्नोलाइन किसी चित्रकार के चित्रों की कल्पना हो सकती है या फिर किसी कवि के लिए यह जगह उसकी खूबसूरत कविता लिखने का जरिया। यहां चारों तरफ हरियाली प्रकृति का अद्भुत नजारा प्रस्तुत करती है।

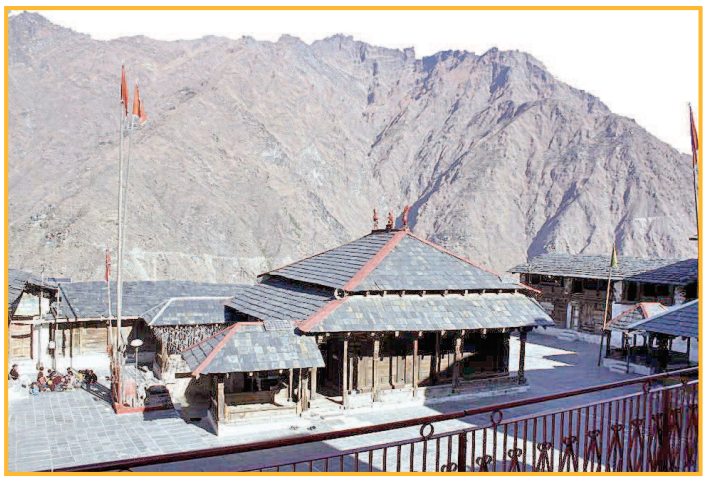

चंबा में देखने के लिए बहुत कुछ है। इनमें मुख्य हैं- लक्ष्मी नारायण मंदिर, चंपावती मंदिर, चौरासी मंदिर, लामा दल वगैरह।

भूरी सिंह म्यूजियम 14 सितंबर 1908 में खोला गया था। इसका नाम राजा भूरी सिंह के नाम पर ही रखा गया, जिन्होंने 1904 से लेकर 1919 तक चंबा पर शासन किया था।

चंबा का चंपावती मंदिर पत्थरों से बना शिकारा मंदिर है जो देवी चंपावती को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार इस शहर का नाम चंबा देवी के पर रखा गया। लक्ष्मी देवी, गणेश और मणिमहेश और नरसिंह का मुख्य मंदिर ही चौरासी मंदिर के नाम से जाना जाता है।

चंबा के उत्तर में छह शिकारा मंदिरों का समूह है, जिसका निर्माण पत्थरों से किया गया है। यह उत्तर से दक्षिण की तरह एक कतार में बना है। इनमें से तीन मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित हैं और तीन भगवान शिव को। इसे चंबा का मुख्य मंदिर और प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर कहते हैं।

चंबा का लांबा डल झील को भी पवित्र माना जाता है। लांबा डल यानी लंबी झील, पत्थरों के बीच बहती यह झील भगवान शिव को समर्पित है। इसी कारण इस झील को बेहद पवित्र माना जाता है।

यहां के खूबसूरत रंग महल पैलेस को राजा उमेद सिंह ने 18वीं शताब्दी में बनवाया था। इस महल को देखकर भगवान श्रीकृष्ण के जमाने का जीवन और समय दोनों की यादें ताजा हो जाती हैं। इसके अलावा आप इसी के पास महाराजा पैलेस भी देख सकते हैं।

ऊंचे पहाड़ों से घिरे चंबा की राजधानी भरमौर को ब्रहमौर भी कहते हैं। यह एक छोटा सा शहर है, जहां प्राचीन मंदिर और स्मारक हैं। ये इस शहर की शान हैं। यहीं से मणिमहेश की यात्रा शुरू होती हैं। यहां खेल प्रेमियों के लिए बेहतरीन ट्रेकिंग की व्यवस्था है।

शिवभक्तों का पसंदीदा पर्वत मणिमहेश कैलाश है। चंबा से लगभग 97 किलोमीटर दूर है मणिमहेश की ग्लेशियर झील जिसके किनारे शिवभक्त पूजा करते हैं और फिर मणिमहेश की यात्रा शुरू होती है। यहा यात्रा बेहद कठिन होती है क्योंकि पहाड़ों और बर्फ से गुजरते हुए लोग यात्रा करते हैं।

चंबा से 56 किलोमीटर की दूरी पर है सलोनी। छह हजार फीट की ऊंचाई पर यह जगह बेहद ही आकर्षक है। सलोनी में बर्फ से ढंके पहाड़ और उसकी चोटी एक पल के लिए किसी की भी सांसें रोक सकती है। यहां के पहाड़ों की चोटियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

चंबा में हर साल सुही माता त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार अप्रैल में आता है और यह रानी चंपावती को समर्पित है। त्योहार में केवल महिलाएं और बच्चे ही भाग लेते हैं। अगस्त में एक हफ्ते तक मंजर मेला चलता है, इस मौके पर मक्के की फसल तैयार होने की खुशी में लोग नाचते-गाते हैं।

यहां का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है। गर्मी में जहां सामान्य तापमान होता है। वहीं ठंड में तापमान शून्य डिग्री चला जाता हैं। अगर आप सर्दियों में चंबा की बर्फबारी का मजा लेना चाहता हैं, तो गर्म कपड़े ले जाना न भूलें। यहां आप सड़क, रेल और हवाई मार्ग से पहुंच सकते हैं।

प्रकृति का अनूठा सौंदर्य औली

औली में सर्दी में बर्फ से ढके बुग्याल देखते ही बनते हैं। इन पर स्काइंग का मचा लिया जा सकता है। कहीं आपको छोटे-छोटे झरने और घने जंगल पर्यटकों को अपनी ओर खींच लाते हैं।

उत्तराखंड में हर पर्वत, हर घाटी की अपनी अलग ही नैसर्गिक छटा है। वहीं एक स्थान औली है। औली में न तो कोई भीड है और न किसी तरह का शोर। इस स्थान की विशेषता यहां के हरे-भरे ढलान हैं। मखमली घास के इन ढलानों को बुग्याल कहते हैं। औली अपने आप में न तो कोई शहर है और न बाजार। यह तो बस एक सैरगाह है। यहां पहुंच कर आप यह पाएंगे कि अगर कोई है तो सिर्फ आप हैं और आपके सामने प्रकृति का अनूठा सौंदर्य है। आपके अलावा वैसे तो वहां होते और भी बहुत लोग हैं, पर सब अपने-आप में व्यस्त और मस्त। व्यस्तता का आलम भी सिर्फ एक और वह है प्रकृति की मनोहारी छटा को भिन्न-भिन्न रूपों में देखना तथा आत्मसात करना।

दैनिक जीवन की भागदौड में क्षीण होती ऊर्जा को पुनरू संचित करने के लिए ऐसा ही स्थान चाहिए। यहां के बुग्यालों में आप यायावार की भांति घूमते रहिए। दूर तक फैले इन बुग्यालों में हर तरफ एक सा सौंदर्य नजर आएगा। आसपास देवदार और ओक के घने जंगल भी हैं। कहीं-कहीं आपको छोटे-छोटे झरने भी देखने को मिल सकते हैं। औली के सामने बर्फ से ढके पहाडों की लंबी श्रृंखला देखने को मिलती है। वहां आप एक पॉइंट पर खडे होकर इन पर्वत शिखरों की पहचान भी कर सकते हैं। इसके लिए वहां पीक के नाम और उनकी दिशा का नक्शा पत्थर पर बना है। यह स्थान समुद्रतल से करीब 2520 मीटर की ऊंचाई पर है। इसलिए यहां हमेशा मौसम ठंडा ही बना रहता है।

सर्दियों में तो औली एक अलग ही रूप ले लेता है। यहां के बुग्याल उस समय बर्फ से ढक जाते हैं। तब यह स्कीइंग के ढलानों के रूप में साहसी पर्यटकों को आमंत्रित करते हैं। हिमक्रीडा के उस मौसम में यहां विदेशी सैलानी भी खूब आते हैं। जनवरी-फरवरी में यहां हर साल स्कीइंग की प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। नौसिखिए लोगों के लिए यहां स्कीइंग के कोर्स भी चलाए जाते हैं। स्कीइंग अगर न भी करनी हो तो औली के धवल सौंदर्य को निहारने के लिए तो यहां आया ही जा सकता है। जोशीमठ से औली और गौरसों तक रोप-वे या ट्रॉली मार्ग से आना भी अपने आप में एक रोमांचक अनुभव होता है।

डाबोलिन हवाई अड्डा से उड़ानों का परिचालन जारी रहेगाः अधिकारी

पणजी । डाबोलिम स्थित गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीआईए) के प्रबंधन का कहना है कि इस हवाई अडडे को अभी बंद नहीं किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इस हवाई अड्डे से उड़ानों का परिचालन जारी रहेगा। इन खबरों के बीच कि एक निजी एयरलाइन अपना परिचालन दक्षिण गोवा जिले में डाबोलिम स्थित हवाई अड्डे से उत्तरी गोवा जिले के मोपा में मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईए) में स्थानांतरित कर रही है, विपक्षी कांग्रेस और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। हाल में गोवा विधानसभा सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने दावा किया था कि जीआईए में महंगी परिचालन लागत के कारण उड़ान परिचालन को एमआईए में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जीआईए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि डाबोलिम हवाई अड्डे का विकास जारी रहेगा क्योंकि इसमें अच्छी संभावनाएं हैं। दक्षिण गोवा में वास्को शहर के पास स्थित जीआईए नौसेना के आईएनएस हंसा बेस का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि डाबोलिम हवाई अड्डे पर परिचालन लागत अधिक है। यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि डाबोलिम हवाई अड्डे को बचाने के नाम पर कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं जिससे इसकी संभावनाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा कि डाबोलिम हवाई अड्डे पर उपयोगकर्ता विकास शुल्क एमआईए की तुलना में कम है और इसकी परिचालन लागत भी कम है।

जेजी केमिकल्स का शेयर पांच फीसदी गिरकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । जेजी केमिकल्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने 221 रुपये के निर्गम मूल्य पर पांच प्रतिशत से अधिक गिरकर सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य पर 4.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 211 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 11.26 प्रतिशत गिरकर 196.10 रुपये पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 5.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 209 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 772.16 करोड़ रुपये रहा। जेजी केमिकल्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गुरुवार को बोली के आखिरी दिन 27.78 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 251.2 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 210-221 रुपये प्रति शेयर था। जिंक ऑक्साइड विनिर्माता के आईपीओ में 165 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए थे। इसमें 39 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है।

भारतीय उच्चायोग सिंगापुर से भारत में अधिक निवेश लाने कर रहा कामः अंबुले

सिंगापुर । भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने कहा कि भारतीय उच्चायोग सिंगापुर से भारत में अधिक से अधिक निवेश के लिए काम कर रहा है। अंबुले ने कहा कि भारत के बुनियादी ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा और आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने आक्रामक तरीके से बढ़ गया है, ऐसे में हम भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक निवेश लाने के प्रयास में हैं। उच्चायुक्त ने वृद्धि को गति देने वाले तीन कारकों का उल्लेख करते हुए कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के साथ भारत के लिए यह हरित वृद्धि होगी। इसके अलावा आर्थिक गतिविधियों के सुगम प्रवाह के लिए डिजिटल ढांचा बनाया गया है। साथ ही भारत की सतत वृद्धि भी एक कारक है जिसकी वजह से उसे निवेश मिलेगा। उच्चायुक्त ने मंगलवार देर शाम यहां 2024 बजट विश्लेषण-सिंगापुर और भारत कार्यक्रम में कहा कि हम सिंगापुर से भारत में अधिक निवेश लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाने वाली आर्थिक गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला पर भी प्रकाश डाला। इसमें युवाओं को कुशल बनाने का प्रयास, सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास और महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास शामिल है।

गूगल ने झूठी सूचना के प्रसार को रोकने निर्वाचन आयोग से किया समझौता

नई दिल्ली ।

अल्फाबेट इंक के स्वामित्व वाली कंपनी गूगल ने आगामी चुनाव के दौरान झूठी सूचना के प्रसार को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग से समझौता किया है। गूगल इंडिया ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि इसके उत्पाद चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर आधिकारिक सूचना बढ़ाने की विशेषताओं से लैस किये गए हैं। गूगल ने कहा कि हम मतदान के बारे में गूगल सर्च पर अंग्रेजी और हिंदी में महत्वपूर्ण जानकारी ढूंढने में लोगों की सहायता के लिए सहयोग कर रहे हैं। इन जानकारियों में पंजीकरण कैसे करें और मतदान कैसे करें शामिल हैं। अधिक संख्या में लोगों के कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करने के विषय पर गूगल ने कहा कि यह ऐसी प्रक्रियाएं तैयार कर रही है जो उपयोगकर्ताओं को कृत्रिम मेधा सामग्री की पहचान करने में मदद करेगी। इसने कहा कि अधिक विज्ञापनदाताओं द्वारा एआई की शक्ति और अवसर का लाभ उठाये जाने पर हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम अधिक पारदर्शिता और विषय पर सभी जानकारियों के साथ लोगों को निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक जानकारी देते रहें। गूगल ने कहा कि हमारी विज्ञापन नीतियां पहले से ही

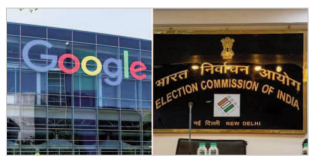

गुमराह करने वाली डीपफेक या छेड़छाड़ की गई सामग्री के उपयोग को निषिद्ध करती हैं। गूगल ने इस बारे में कड़ी नीतियां एवं पाबंदियां निर्धारित की हैं कि चुनाव संबंधित विज्ञापन उसके मंचों पर कौन जारी कर सकता है। इनमें निर्वाचन आयोग द्वारा पहचान का सत्यापन, प्रमाणन और अधिकृत किया जाना शामिल है।

बड़ी कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा नियमन का सुझाव

नई दिल्ली। सरकार की एक समिति ने बड़े डिजिटल उद्यमों के लिए नियमन का प्रस्ताव दिया है। इसका उददेश्य इन क्षेत्रों में किसी भी संभावित प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाना है। डिजिटल प्रतिस्पर्धा कानून पर समिति (सीडीसीएल) ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट और नियमों का मसौदा जारी किया। इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। समिति का गठन पिछले साल फरवरी में किया गया था। उससे पहले, संसद की समिति ने डिजिटल बाजारों में प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक नया डिजिटल प्रतिस्पर्धा कानून बनाने का प्रस्ताव किया था, जिसके बाद समिति का गठन किया गया। समिति ने अन्य बातों के अलावा, नियमन के मसौदे के तहत दायित्वों के लिए सिद्धांत-आधारित रूपरेखा का सुझाव दिया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि समिति ने बड़े डिजिटल उद्यम यानी तकनीकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के बाजार में उनकी गतिविधियों की सक्रिय निगरानी के लिए नियमों की सिफारिश की है।

फरवरी में खुदरा महंगाई 5.09 प्रतिशत रही

नई दिल्ली । उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी, 2024 में मामूली घटकर 5.09 प्रतिशत पर आ गई जबकि इससे पिछले महीने में यह 5.10 प्रतिशत रही थी। पिछले साल फरवरी में खुदरा महंगाई दर 6.44 प्रतिशत थी। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर फरवरी में पिछले महीने की तुलना में लगभग स्थिर 5.09 फीसदी पर रही। सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई जनवरी में 5.1 फीसदी और एक साल पहले की समान अवधि में फरवरी 2023 में यह 6.44 फीसदी थी। फरवरी में फूड बॉस्केट में खुदरा महंगाई 8.66 फीसदी थी, जो पिछले महीने के 8.3 फीसदी से मामूली ज्यादा थी। सरकार ने रिजर्व बैंक को महंगाई को दो फीसदी घटबढ़ के साथ चार फीसदी के दायरे में रखने की जिम्मेदारी सौंपी है। पिछले महीने केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीपीआई आधारित महंगाई 5.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था और जनवरी-मार्च तिमाही में 5 फीसदी दर्ज किया गया था।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 906 अंक नीचे आया

निफ्टी 21,997.70 के स्तर पर फिसला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 906.07 करीब 1.23 फीसदी की गिरावट के साथ ही 72,761.89 और निफ्टी में भी 1.51 फीसदी तकरीबन 338.00 अंकों की गिरावट रही और ये 21,997.70 के स्तर पर बंद हुआ।

स्मॉलकैप इंडेक्स में भी आज 2200 अंक से ज्यादा की गिरावट रही और ये 40,550 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं मिडकैप में 1,800 से ज्यादा अंकों की गिरावट दर्ज की गयी। ये 37,420 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट रही। जेट एयरवेज के शेयर में आज लगातार दूसरे दिन 5 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं बीएसई स्मॉलकैप के शेयरों में आज 5 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने में आई है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों में आज इसलिए दबाव रहा क्योंक बाजार नियामक एजेंसी सेबी अध्यक्ष ने छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों की ऊंची कीमतों को सही नहीं बताया था। उन्होंने कहा सेंसेक्स के 30 शेयरों में से आज पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा 7 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, भारती

एयरटेल, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर भी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर आये हैं। वहीं गत दिवस बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 247.61 अंक तेज होकर 73,915.57 पर और निफ्टी 61.70 अंक ऊपर 22,397.40 पर कारोबार कर रहा था। इसके कुछ समय बाद ही बाजार में गिरावट आने लगी जो अंत तक बनी रही।

पांच साल में भारत डेकाथलॉन के पांच वैश्विक बाजारों में शामिल होगा

- डेकाथलॉन भारत में हर साल 10 नए स्टोर खोलेगी

पेरिस ।

फ्रांस की खेल क्षेत्र की रिटेलर डेकाथलॉन ने कहा कि उसके लिए भारत एक बड़ी प्राथमिकता वाला बाजार है। स्टोर नेटवर्क के विस्तार और स्थानीय सोर्सिंग बढ़ने के साथ अगले पांच साल में भारत उसके शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में शामिल होगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। कंपनी के एक मुख्य रिटेल एंड कंट्रीज ऑफिसर ने कहा कि डेकाथलॉन अपनी वृद्धि की योजनाओं के तहत भारत में हर साल 10 नए स्टोर खोलेगी। नए स्टोर 1,000 से 2,000 वर्ग मीटर के बीच के छोटे स्टोर हो सकते हैं। इसके अलावा ये 4,000 वर्ग मीटर में फैले बड़े स्टोर भी हो सकते हैं। साथ ही कंपनी का इरादा ऑनलाइन बिक्री में तेजी लाने और अगले पांच साल में स्थानीय सोर्सिंग को मौजूदा के औसतन 60 प्रतिशत बढ़ाकर 90 प्रतिशत करने का है। इस कदम से डेकाथलॉन को तेजी से बढ़ते भारतीय खेल और एथलेजर खंड में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी और इसकी भारतीय विनिर्माण सुविधा से वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ेगा। उन्होंने यहां डेकाथलॉन के वैश्विक कार्यक्रम में कहा कि भारत हमारे लिए शीर्ष प्राथमिकता है। हमारे पास पांच देश हैं, जिन्हें हम लंबी छलांग वाला देश कहते हैं। भारत उनमें से एक है। डेकाथलॉन के लिए भारत पहले से राजस्व के मामले में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बाजारों में है। हम इसे शीर्ष पांच में लाना चाहते हैं। यह अगले पांच साल में होगा। डेकाथलॉन इंडिया का कारोबार 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,995 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि हम हर साल 10 स्टोर खोलना चाहते हैं। इस समय हम अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। हम डिजिटल रूप से खुद को स्थापित कर रहे हैं। हम बड़े फॉर्मेट स्टोर के साथ बड़े शहरों में छोटे स्टोर पर भी काम कर रहे हैं।

जनवरी में भारत का औद्योगिक उत्पादन 3.8 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । भारत के लिए अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक राहत भरी खबर आई है। साल 2024 के पहले महीने जनवरी में भारत का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी घटकर 3.8 फीसदी हो गया है। गौरतलब है कि पिछले साल की समान अवधि जनवरी 2023 में यह 5.8 फीसदी था। बता दें कि आईआईपी वह डेटा होता है जिसके जरिये औद्योगिक उत्पादन मापा जाता है। एनएसओ के डेटा से पता चलता है कि पिछले साल के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी गिरावट आई है। पिछले साल जनवरी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का ऑउटपुट 4.5 फीसदी था, जो जनवरी 2024 में घटकर 3.2 फीसदी हो गया है। जनवरी 2024 में खे निज उत्पादन 5.9 फीसदी बढ़ा। पिछले साल के मुकाबले इसमें 3.1 फीसदी की कमी आई है। जनवरी 2023 में खे निज उत्पादन 9 फीसदी पर था। डेटा से पता चलता है कि पावर ऑउटपुट 5.6 फीसदी बढ़ा है। जबकि पिछले साल की समान अवधि में इलेक्ट्रिसिटी ऑउटपुट 12.7 फीसदी था।

डॉक्टरों और हेल्थकेयर से जुड़े लोगों को उपहार और फ्री सैंपल देने पर लगेगी रोक

- सरकार ने फार्मा मार्केटिंग प्रैक्टिस को लेकर नोटिफाई किया यूनिफॉर्म कोड

नई दिल्ली ।

फार्मा सेक्टर में दवाओं और फार्मा उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए कई कंपनियां डॉक्टरों और हेल्थकेयर से जुड़े लोगों को उपहार और अन्य सुविधाएं देती आ रही थी। सरकार ने अब इस पर रोक लगा दी है। सरकार ने फार्मा मार्केटिंग प्रैक्टिस को लेकर यूनिफॉर्म कोड यानि यूसीपीएमपी 2024 को नोटिफाई कर दिया है। इस कोड में मार्केटिंग से जुड़ी गतिविधियों के मद्देनजर कंपनियों, डॉक्टरों, हेल्थकेयर से जुड़े लोगों के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। हाल ही में जारी इस दिशानिर्देश में कंपनियों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित करने से रोक लगाई गई है। इसी के साथ कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर ऐसी कार्यशालाओं के बारे में पूरा विवरण भी बताना होगा, जिसमें उनके द्वारा किए गए खर्च का ब्यौरा शामिल है। कंपनियां स्वतंत्र या जोखिम-आधारित ऑडिट के अधीन हो सकती हैं। कोड में ये बताया गया है कि इन गाइडलाइन्स का पालन करने के लिए फार्मा कंपनी के सीईओ जिम्मेदार होंगे और हर वित्त वर्ष के खत्म होने पर दो महीने के भीतर फार्मा कंपनी के कार्यकारी द्वारा एसोसिएशन को इसे लेकर सेल्फ डिक्लरेशन दी जाएगी। इस डिक्लेरेशन को एसोसिएशन की वेबसाइट या फिर सीधे यूसीपीएमपी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। कोड के अनुसार, फार्मा कंपनियों या उनके प्रतिनिधि हेल्थकेयर प्रोफेशनल या उनके परिवार के सदस्यों को देश में या बाहर घूमने की सुविधाएं ऑफर नहीं कर सकते। इसके अलावा हेल्थ प्रोफेशनल या उनके परिवार के सदस्यों को कैश आदि भी नहीं दिया जा सकता। कंपनियां अगर डॉक्टरों को फ्री सैंपल दे रही हैं तो उन्हें इसका पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। साथ ही कंपनियां सालाना घरेलू बिक्री का 2 फीसदी से ज्यादा फ्री सैंपल के रूप में नहीं बांट सकती है।

मारुति रेलवे के जरिये सालाना 3,00,000 कारों की ढुलाई कर सकेगी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों हंसलपुर संयंत्र में भारत की पहली इन-प्लांट ऑटोमोबाइल रेलवे साइडिंग का उदघाटन किया। इसकी बदौलत मारुति रेलवे के जरिये सालाना 3,00,000 कारों की ढुलाई कर सकेगी। इस पूरी परियोजना की लागत 1,081 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहें तो भले ही हमें इस परियोजना के कारण कुछ न बच रहा हो, लेकिन फिर भी हमें काफी खुशी होगी क्योंकि इससे हमें बड़ा पैमाना मिल रहा है। यह कारों की ढुलाई का बहुत ही सुरक्षित, कुशल और स्वच्छ तरीका है। अगर रेल का बुनियादी ढांचा नहीं होता तो हमें क्षमता संबंधी बाधा झेलनी पड़ती। वित्तीय बचत के बिना भी यह कारों के परिवहन का बेहतर तरीका है। इस नई लाइन का परिचालन साल 2026-27 से शुरू होगा। साल 2023-24 के पहले 11 महीने के दौरान मारुति ने रेलवे के जरिये 4,09,000 गाड़ियों की ढुलाई की थी जबकि शेष गाड़ियां सड़क मार्ग से भेजी गई थीं। नई लाइन के कारण इसमें काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक रेक (ट्रेन) 270 से 300 कारें ले जाती है और इसलिए यह 40 ट्रकों का स्थान ले लेती है। इसलिए नई रेलवे साइडिंग के कारण लगभग 50,000 ट्रकों के फेरे कम हो जाएंगे जिससे हमें 3.5 करोड़ लीटर जीवाश्म ईंधन बचाने में मदद मिलेगी।

फ्लिपकार्ट भी बड़े शहरों में बनाएगी हजारों डार्क स्टोर

- कंपनी स्टोर स्थापित करने उद्यमियों एवं किराना दुकानों से कर रही है बात

नई दिल्ली ।

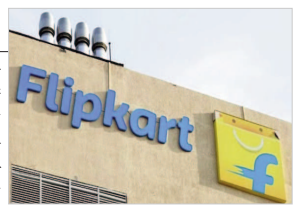

ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट देश के बड़े शहरों में हजारों डार्क स्टोर स्थापित की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार वॉलमार्ट नियंत्रित फ्लिपकार्ट अगले कुछ महीनों में लोगों का ऑर्डर किया सामान जल्दी से जल्दी पहुंचाने की तैयारी कर रही है। ई-कॉमर्स क्षेत्र में डार्क स्टोर उन किराना स्टोर को कहा जाता है, जो ऑर्डर मिलने के बाद झट से सामान ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए खोले जाते हैं। कंपनी ऐसे स्टोर स्थापित करने के लिए विभिन्न उद्यमियों एवं किराना दुकानों से बात कर रही है। मगर कंपनी इन डार्क स्टोर पर मालिकाना नियंत्रण नहीं रखेगी। कंपनी के इस कदम से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी मिल सकते हैं। एक सूत्र ने कहा कि इन दिनों सभी का जोर ग्राहकों के ऑर्डर जल्द से जल्द पहुंचाने पर है। फ्लिपकार्ट को मालूम है कि बाजार में अपनी पकड़ मजबूत रखने के लिए उसे समय के साथ अपनी तैयारी भी दुरुस्त रखनी होगी। ग्राहकों तक कम से कम समय में ऑर्डर पहुंचाना कंपनी की इसी रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के पास ऐसे ऑर्डर बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जिनमें ग्राहक मनमाफिक सामान कम से कम समय में पाना चाहते हैं। ऐसे ऑर्डर फल-सब्जियों एवं अनाज ही नहीं बल्कि सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, घर सजाने के सामान और वेलनेस की चीजों के लिए भी आ रहे हैं क्योंकि लोग अब ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहते। फ्लिपकार्ट ने हाल में अपनी मूल कंपनी वॉलमार्ट एवं दूसरे निवेशकों से 60 करोड़ डॉलर रकम जुटाई थी। सूत्रों का कहना है कि कंपनी कुल 1 अरब डॉलर जुटाने के लिए निवेशकों से बातचीत कर रही है। पिछले कुछ महीनों के दौरान आपूर्ति क्षमता बढ़ाने और 20 शहरों में ऑर्डर मिलते ही उसी दिन सामान पहुंचाने जैसी सुविधाओं पर बड़े निवेश किए हैं।

पेटीएम एनएचएआई की सूची से बाहर

एनएचएआई की संशोधित सूची में 39 बैंकों के नाम शामिल

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से पेटीएम पर लगाई गई रोक के बाद अब नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने फास्टैग जारी करने वाले बैंकों की लिस्ट को रिवाइज कर दिया है। एनएचएआई द्वारा जारी की गई फास्टैग इश्यू करने वालों की सूची में पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड का नाम नहीं है। ग्राहक अब पेटीएम से फास्टैग नहीं ले पाएंगे। एनएचएआई की संशो धित सूची में केवल 39 बैंकों के नाम शामिल किए गए हैं, जिनसे फास्टैग लिया जा सकता है। इस सूची में ऑथराइज्ड बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के नाम हैं। अब फास्टैग इन बैंकों से ले सकेंगे- एयरटेल पेमेंट्स बैंक, एक्सिस बैंक लिमिटेड, बंधन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यस बैंक जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। एनबीएफसी की सूची में- इलाहाबाद बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड, कॉसमॉस बैंक, इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक, फेडरल बैंक, फिनो पेमेंट बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, डोंबिवली नगरी सहकारी बैंक, जेएंडके बैंक, कर्नाटक बैंक, करूर वैश्य बैंक, लिवक्विक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, पंजाब महाराष्ट्र बैंक, सारस्वत बैंक, साउथ इंडियन बैंक, सिंडिकेट बैंक, द जलगांव पीपुल्स कंपनी -ऑप बैंक, त्रिशूर जिला सहकारी बैंक और यूको बैंक आदि एनबीएफसीएस शामिल हैं।

धर्मशाला टेस्ट में बेयरस्टो की शुभमन से बहस मेरे कारण हुईः एंडरसन

मुम्बई । इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जिम्मी एंडरसन ने कहा है कि धर्मशाला टेस्ट के दौरान जॉनी बेयरस्टो की भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल से बहस हुई थी। साथ ही कहा कि इसका कारण मैं था। इसका कारण ये है कि शुभमन ने उन्हें रिटायर होने के लिए कह दिया था। इसपर बेयरस्टो नाराज हो गये थे। एंडरसन ने माना कि पहले उन्होंने बहस शुरु की थी। एंडरसन ने टेस्ट सीरीज के दौरान ही अपने 700 विकेट भी पूरे किये हैं। इंग्लैंड की टीम को इस सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। एंडरसन ने कहा कि मैंने उनसे कुछ ऐसा कहा कि क्या आप भारत के बाहर कोई रन बनाते हैं? और उन्होंने मुझसे कहा कि यह संन्यास लेने का समय है। फिर दो गेंद बाद मैंने उसे आउट कर दिया। बता दें कि टेस्ट फॉर्मेट में शुभमन की भारत में औसत 40 जबकि विदेशों में केवल 30 है। बेयरस्टो ने सबसे पहले शुभमन से पूछा था कि आपने एंडरसन से रिटायर होने के बारे में क्या कहा? इस पर शुभमन ने कहा, मैंने उनसे कहा कि उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए। इसपर बेयरस्टो ने भी शुभमन से कहा कि सीरीज में वह अधिक शतक नहीं लगा पाये।

भारत पेरिस ओलंपिक में एक से अधिक भाला फेंक पदक जीत सकता है किशोर जेना

चंडीगढ़,

उभरते भाला फेंक स्टार किशोर कुमार जेना, जो मई में दोहा में डायमंड लीग से अपने आउटडोर सीज़न की शुरुआत करेंगे, ने कहा है कि वह नीरज चोपड़ा को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते हैं। ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल अब 130 दिन से कुछ अधिक दूर हैं और जेना ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के साथ इसे देश के लिए यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जेना, जो वर्तमान में पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में प्रशिक्षण ले रहे हैं, ने कहा, भारत पेरिस में एक से अधिक भाला फेंक पदक जीत सकता है। पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स मीट में नीरज चोपड़ा के साथ आमने-सामने होने के बाद से जेना सुर्खियां बटोर रहे हैं। एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार, चोपड़ा और किशोर कुमार जेना ने हांगझोउ 2023 में भाला फेंककर इसे एक-दो कर दिया। पेरिस के लिए क्वालीफाई करने के बाद, जेना को लगता है कि भाला फेंक में पदक की संभावनाएं केवल चोपड़ा तक ही सीमित नहीं हैं। नियम के अनुसार, भाला फेंक में एक देश से तीन खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। इससे पेरिस में अधिक पदक जीतने की संभावना बढ़ जाती है। जेना ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से कहा, हम सभी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अगर हम चोट मुक्त रह सकते हैं, तो भारत टोक्यो से बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। जेना, जो ओडिशा के पुरी जिले के एक किसान परिवार से आते हैं, पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में एक एक्सपोज़र ट्रिप के लिए गए थे, जहाँ उनके साथ लंबे समय के कोच समरजीत सिंह माल्ही भी थे। उन्होंने अपनी कोर और कंधे की ताकत को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की वेट ट्रेनिंग की। यह पूछे जाने पर कि वह दोहा प्रतियोगिता में क्या लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं और अपने प्रतिद्वंद्वी नीरज चोपड़ा के बारे में क्या कहना चाहते हैं , जेना ने कहा, मैंने अब तक इसके (90 मीटर) बारे में नहीं सोचा है। मेरा लक्ष्य अपने परिणामों में सुधार करना और अपनी कमजोरियों पर काबू पाना है। मैं नीरज से सुझाव लेता रहता हूं. मैं उन्हें अपने प्रतिस्पर्धी के रूप में नहीं देखता. जब भी मुझे कोई समस्या आती है तो मैं उनकी सलाह लेता हूं क्योंकि वह उन सबसे अच्छे इंसानों में से एक हैं जिनसे मैं कभी मिला हूं। जब सही सुझाव देने की

बात आती है तो वह पीछे नहीं हटते। हांग्जो एशियाई खेलों के दौरान, चोपड़ा के लिए थोड़ा डर था क्योंकि अधिकारियों ने उनके पहले अच्छे थ्रो पर विचार नहीं किया था। बाद में, जेना ने 87.54 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चोपड़ा को अपना सब कुछ देने के लिए प्रेरित किया। ओलंपिक चैंपियन अंततः अपने स्वर्ण पदक की रक्षा के लिए 88.88 मीटर के विशाल थ्रो के साथ आए।

अफगानिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय में आयरलैंड को हराकर सीरीज जीती

शारजाह ।

अफगानिस्तान ने यहां हुए तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आयरलैंड को 117 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही अफगानिस्तान टीम ने सीरीज भी 2-0 से जीत ली है। इस सीरीज का एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस मैच में अफगान टीम की जीत में मोहम्मद नबी की अहम भूमिका रही। नबी ने कुल पांच विकेट लिए। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड टीम ने अफगान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अफगानिस्तान की ओर से रहमानुल्लाह गुरबाज़ और इब्राहिम जादरान ने अच्छी शुरुआत की गुरबाज ने 51 रन जबकि जादरान ने 22 रन बनाये। सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद शाहिदी ने 69 रन बनाकर पारी को संभाला। शाहिदी के बाद नबी ने 48 रन बनाये। इस प्रकार अफगान टीम ने नौ विकेट पर कुल 236 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की ओर से मार्क अडायर ने तीन विकेट जबकि बैरी मैक्कार्थी ने 2 विकेट लिए। वहीं इसके अलावा थियो वान वोर्कोम, एंडी मैकब्राइन और हैरी टेक्टर ने एक-एक विकेट लिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 237 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में आयरिश टीम सफल नहीं रही। नबी के पांच विकेट और नांग्याल खरोती के चार विकेट की सहायता से अफगानिस्तान ने आयरिश टीम को 35 ओवर में ही 119 रनों पर आउट कर दिया।

एफआईएच विश्व रैंकिंगः भारतीय पुरुष हॉकी टीम चौथे, महिला टीम नौवें स्थान पर खिसकी

नई दिल्ली । एफआईएच विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम एक स्थान के नुकसान के साथ ही चौथे जबकि महिला टीम 9वें स्थान पर खिसक गयी है। जर्मनी की टीम ओलंपिक क्वालीफायर्स में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के 2761 रैंकिंग अंक हैं। उसने पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी जगह बना ली है। इस कारण उसे ओलंपिक क्वालीफायर्स में भाग नहीं लेना पड़ा। वहीं जर्मनी की टीम ओमान में खेले गए ओलंपिक क्वालीफायर्स में सभी मैच जीतकर 2786 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे वह विश्व रैंकिंग में भारतीय टीम से आगे हो गयी है। वहीं नीदरलैंड 3060 अंक लेकर नंबर एक पर बनी हुई है। बेल्जियम 2848 अंक लेकर दूसरे जबकि जर्मनी, भारत और ऑस्ट्रेलिया के 2757 अंक हैं। वहीं इंग्लैंड के 2720 अंक हैं और वह 5 वे स्थान पर है। अर्जेंटीना 2524 अंक और स्पेन 2296 अंक लेकर पहले की तरह ही 7वें और 8वें स्थान पर बने हुए हैं। फ्रांस के भी 2085 अंक हैं जबकि न्यूजीलैंड के 2025 अंक हैं। वहीं महिला वर्ग में भारतीय टीम 2215 अंक के साथ 9वें स्थान पर है। महिला वर्ग में नीदरलैंड 3422 लेकर नंबर एक पर है जबकि अर्जेंटीना 2827 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर है। जर्मनी 2732 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने गाजियाबाद में क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया

गाजियाबाद ।

भविष्य में गाजियाबाद में भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच खेले जाएंगे। इसके लिए यहां एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम भी बनाया जाएगा। इस स्टेडियम का शिलान्यास भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) द्वारा विकसित की जाने वाली एक परियोजना की आधारशिला भी रखी। स्टेडियम के निर्माण में देरी का कारण क्षेत्र में हाई टेंशन बिजली के तारों और खंभों को बताया गया है। शुक्ला ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में कोई स्टेडियम नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने इस पर नाराजगी जतायी कि जमीन खरीदने और रजिस्ट्री कराने के बाद भी विभाग ने दो बिजली लाइनें लगा दी गईं थीं। यह क्षेत्र उड़ान क्षेत्र में भी पड़ता है, इसलिए भारतीय वायुसेना से भी इस योजना की मंजूरी देनी पड़ी। उन्होंने कहा कि मैं स्टेडियम के शिलान्यास पर यूपी के लोगों को बधाई देता हूं। साथ ही कहा कि इसका निर्माण शीघ्र ही पूरा हो जाएगा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने कहा कि 450 करोड़ रुपए की परियोजना लागत वाला ये स्टेडियम 32 एकड़ क्षेत्र में बनाया जा रहा है। इसमें एक समय में 55,000 लोग बैठ सकेंगे। स्टेडियम का निर्माण अगले दो साल यानी 2026 तक पूरा होने की संभावना है। जरूरत और आधुनिकता को देखते हुए पिछले 9 साल में प्रोजेक्ट के बजट में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। प्रारंभ में, परियोजना की लागत 350 करोड़ रुपए तय की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 450 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी रैंकिंग : अश्विन एक बार फिर बने नंबर वन

दुबई । भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी की ताजा गेंदबाजी रैंकिंग में एक बार फिर नंबर एक पर पहुंच गये हैं। अश्विन पहली बार दिसंबर 2015 में नंबर वन बने थे। अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। अश्विन ने अंतिम टेस्ट में नौ विकेट लिए हैं। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में पहली पारी में चार जबकि दूसरी में पांच विकेट लिए थे। इस मैच के साथ ही सीरीज में जीत से भारतीय टीम भी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। अश्विन के शीर्ष पर पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव अंतिम मैच में सात विकेट लेने के साथ ही 15 स्थान के लाभ के साथ ही 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पांच पायदान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर जबकि शुभमन गिल 11 स्थान के लाभ के साथ ही अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 20वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दो दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। सलामी बल्लेबाज, जायसवाल ने नौ टेस्ट के बाद 740 रेटिंग अंक हासिल किये हैं। इससे पहले केवल दो बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई डॉन ब्रैडमैन 752 और माइक हसी 741 को इतने रेटिंग अंक मिले थे। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज जैक क्रॉली और जॉनी बेयरस्टो बल्लेबाजी रैंकिंग में एक-एक पायदान ऊपर आये हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर 11 पायदान आगे बढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया ने क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड पर 2-0 से श्रृंखला जीतकर डब्ल्यूटीसी तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया।

कनेरिया ने सीएए लागू होने पर खुशी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने भारत सरकार के सीएए कानून को लागू करने का समर्थन किया है। इसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता मिलने में आसानी होगी। कनेरिया ने कहा कि वह भी इससे काफी खुश हैं। कनेरिया ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद भी दिया है। भारत सरकार के इस कदम की तारीफ करते हुए इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हर किसी को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को वह धन्यवाद देते हैं। कनेरिया ने कहा, यह अच्छी बात है, इससे सभी को लाभ होगा। मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने बहुत अच्छा कदम उठाया। यह अल्पसंख्यकों और हिंदुओं के लिए बहुत अच्छा कदम है। साथ ही कहा कि एक हिंदू और सनातनी होने के नाते, अपने लोगों के लिए आवाज उठाना मेरा कर्तव्य है। साथ ही कहा कि मेरा भगवान हनुमान और भगवान राम के साथ गहरा संबंध है।

वापसी को लेकर उत्साहित और घबराया हुआ हूं : ऋषभ

नई दिल्ली ।

आईपीएल से वापसी करने जा रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे वह पदार्पण करने जा रहे हों। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बल्लेबाज को फिट करार देते हुए कहा कि वह आईपीएल खेल सकते हैं। साथ ही कहा कि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स 23 मार्च को मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ऋषभ दिसंबर 2022 में एक कार हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उसके बाद उन्हें सर्जरी से भी गुजरना पड़ा है। सवा साल बाद मैदान पर वापसी करने जा रहे इस क्रिकेटर ने कहा, मैं उत्साहित और घबराया हुआ हूं। ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं फिर से पदार्पण करने जा रहा हूं।उन्हें चोट से उबरने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में पुनर्वास और पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ा है। इस क्रिकेटर ने कहा, मैं जो कुछ झेल चुका हूं उसके बाद फिर से क्रिकेट खेलने में सक्षम होना आसान नहीं है। मैं अपने सभी शुभचिंतकों और प्रशंसकों के साथ ही बीसीसीआई और एनसीए के कर्मचारियों का आभारी हूं। उनके प्यार और समर्थन से ही मुझे वापसी में सहायता मिली है। दिल्ली कैपिटल्स प्री-सीजन कैंप में शामिल होने पर इस क्रिकेटर ने कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स और आईपीएल में वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। ये एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका मैं बहुत आनंद लेता हूं। हमारी टीम के मालिक और सहयोगी स्टाफ पूरे समर्थन के साथ मेरे साथ रहे हैं। हर कदम पर मार्गदर्शन और सहयोग मिला, जिसके लिए मैं उनका दिल से आभारी हूं। मैं अपने डीसी परिवार

के साथ फिर से जुड़ने और प्रशंसकों के सामने फिर से खेलने का इंतजार नहीं कर सकता। इस क्रिकेटर को उम्मीद है कि वह बल्लेबाजी के साथ ही विकेटकीपिंग भी कर सकेंगे।

पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण ने पांड्या पर उठाये सवाल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर निशाना साधा है। प्रवीण ने कहा कि हार्दिक लीग टूर्नामेंट खेलते हैं पर घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा करते हैं। इसके अलावा वह भारतीय टीम से खेलने में भी ज्यादा रुचि नहीं दिखाते हैं। प्रवीण ने पांड्या पर सवाल उठाते हुए कहा, आप आईपीएल से दो महीने पहले घायल हो जाते हैं, आप देश के लिए नहीं खेलते हैं, आप घरेलू क्रिकेट में अपने राज्य के लिए नहीं खेलते हैं और सीधे आईपीएल में खेलते हैं। इस तरह का रवैया नहीं होना चाहिए। यह ठीक है कि वह पैसा कमाएं पर इसके साथ ही राज्य और देश के लिए खेलना भी जरुरी है। साथ ही कहा कि केवल आईपीएल को ही महत्व देना गलत है। हार्दिक आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं। वह 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप में टखने की चोट के बाद आईपीएल 2024 से वापसी कर रहे हैं। हार्दिक 2021 के बाद पहली बार एमआई के नेट्स पर लौटे। उन्हें 2021 में मेगा-नीलामी में फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन नहीं किया गया और वे गुजरात टाइटन्स में उनके कप्तान के रूप में शामिल हो गए।

जोकोविच बीएनपी परिबास ओपन में उलटफेर का शिकार हुए , लुका नार्डी ने हराया

महिला वर्ग में गॉफ ,सबालेंका जीती

इंडियन वेल्स । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच यहां जारी बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में उलटफेर का शिकार हुए हैं। युवा खिलाड़ी लुका नार्डी ने जोकोविच को तीसरे दौर में ही तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-3 से हरा दिया। नार्डी ने ऐस के साथ जीत हासिल की। नार्डी को मुख्य ड्रॉ में विश्व के 30वें नंबर के खिलाड़ी टॉमस मार्टिन एचवेरी की जगह शामिल किया गया था। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। नार्डी अब ग्रैंडस्लैम या एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर के टूर्नामेंट में जोकोविच को हराने वाले सबसे अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले साल 2008 में विश्व के 122वें नंबर के खिलाड़ी केविन एंडरसन ने जोकोविच को हराया था। वहीं महिला एकल में कोको गॉफ ने लूसिया ब्रोनजेटी को सीधे सेट में 6-2, 7-6 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। गॉफ ने इस प्रकार 11 में से 10 ब्रेक अंक बचाये हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एरिना सबालेंका ने ब्रिटेन की ऐमा राडुकानु को 6-3, 7-5 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। वहीं पुरुष वर्ग में सातवें वरीयता प्राप्त होल्गर रूने ने लोरेंजो मुसेटी को 6-2, 7-6 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी और दूसरे दौर में चोट के कारण मिलोस राओनिक के हटने पर उन्हें तीसरे दौर में प्रवेश मिला।

ऋषभ आने वाले समय में देश को गौरव बढ़ाएगा : धवन

सकारात्मक रवैये और कड़ी मेहनत से ही वापसी संभव हुई

नई दिल्ली ।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि आने वाले समय में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत देश का नाम रौशन करेंगे। धवन ने कहा कि भीषण कार हादसे से उबरकर जिस प्रकार से ऋषभ ने फिटनेस हासिल की है। उससे उसके सकारात्मक रवैए का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी कारण अब वह आईपीएल से मैदान पर वापसी कर रहा है। धवन ने कहा कि कार हादसे के बाद हुई सर्जरी के कारण उसे इतना दर्द था कि वह कुछ महीनों तक कुछ नहीं कर पाता था। इसके बाद भी उन मुश्किल दिनों में उसने काफी धैर्य बनाये रखा। इसके साथ ही सकारात्मकता और सहनशीलता दिखाई जिससे आज वह ठीक हो पाया है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित तौर पर उसे ताकत मिली और मुझे पूरा भरोसा है कि वह चलकर देश का नाम और रोशन करेगा। साथ ही कहा कि मैं इस युवा की वापसी से बेहद खुश हूं और उसे खेलते हुए देखना चाहता हूं। भगवान की कृपा से वह इतनी बड़ी दुर्घटना से उबरने में सफल रहा। इसके साथ ही उसने कड़ी मेहनत की और सकारात्मक रवैया अपनाये रखा।

इस युवा को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के लिए फिट घोषित कर दिया गया है, जिसमें वह दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेगा। चोटिल होने के कारण वह दिसंबर

2022 से ही मैदान से बाहर था। साथ ही कहा कि उसके यह आईपीएल बेहद खास रहेगा क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार पर ही बीसीसीआई आगामी टी20 विश्व कप के लिए उसे टीम में जगह देने पर फैसला कर सकता है। टी20 विश्व कप में विकेटकीपिंग के लिए केएल राहुल, ईशान किशन, संजू सैमसन भी दावेदार हैं पर इसके बाद भी ये बल्लेबाज दावेदारी में पीछे नहीं है।

टी20 विश्वकप के लिए विराट की जगह किसी युवा को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में शायद ही खेल पायें। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विश्वकप के लिए टीम सदस्यों की जो पहली सूची भेजने जा रही है उसमें विराट का नाम नहीं है। प्रत्येक विश्व कप से पहले सभी प्रत्येक क्रिकेट बोर्डों को टीम सदस्यों की एक सूची आईसीसी को देनी होती है जिसमें काफी कम बदलाव होता है। ऐसे में अगर विराट का नाम इस लिस्ट में नहीं हुआ तो उनके लिए अंतिम सूची में जगह बनाना कठिन हो जाएगा। टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें विराट की जगह किसी युवा खिलाड़ी को अवसर मिल सकता है। टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ताओं का मानना है कि कोहली टी20 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं , ऐसे में उन्हें शामिल किया जाना ठीक नहीं रहेगा हालांकि अगर कोहली आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो उनके नाम पर विचार हो सकता है। वह वैसे भी पिछले कुछ समय से खेल से दूर हैं। विराट निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर रहे हैं। ऐसे में उनकी वापसी आईपीएल में उनके प्रदर्शन के आधार पर ही रहेगी। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी विराट से बात की है। माना जा रहा है कि विराट की जगह पर बोर्ड किसी युवा खिलाड़ी को अवसर देना चाहता है।

प्रधान मंत्री ने वंचित वर्गों को ऋण देने के लिए सामाजिक उत्थान और रोजगार उन्मुख जनकल्याण (पीएम सूरज) वेब पोर्टल लॉन्च किया

सूरत । पीएम सुराज-सामाजिक उत्थान रोजगार आधारित जनकल्याण के तहत वीर नर्मद विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेश भाई पटेल, आदिवासी विकास राज्य मंत्री श्री कुंवरजी भाई हलपति ने दी. एससी, ओबीसी, सफाई कर्मियों के लिए क्रेडिट सपोर्ट के तहत एक लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया, सीवर और सेप्टिक टैंक के सफाई कर्मियों को आजीवन स्वास्थ्य कार्ड और पीपीई किट वितरित की गई।

प्रधानमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में पी.एम. दक्ष योजना, नमस्ते योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाएं ई-लॉन्च की गईं। उन्होंने वंचितों को ऋण देने के लिए सामाजिक उत्थान और रोजगार उन्मुख जनकल्याण (पीएम सूरज) वेब पोर्टल भी लॉन्च किया। देश भर के 500 जिलों से तीन लाख से अधिक लाभार्थी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने वर्चुअल मीडिया के माध्यम से लाभार्थियों से बातचीत की।

इस अवसर पर वन मंत्री मुकेशभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ नागरिकों को गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज वितरित किया जाएगा, यह योजना जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान बन गई है देश की। उपस्थित सभी लोगों से सूरज पोर्टल सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का अनुरोध किया गया।

मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का बड़ा काम किया गया है. आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है, जिसने विभिन्न शारीरिक समस्याओं से पीडति गरीब लोगों की मदद की है, इतना ही नहीं, गुजरात सरकार ने आयुष्मान कार्ड में स्वास्थ्य सहायता को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया है।

प्रारम्भ में नगर प्रान्त पदाधिकारी श्री विक्रम भण्डारी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को मुख्य धारा में लाना एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करना है। मंत्रियों एवं गणमान्य व्यक्तियों एवं लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री के संबोधन एवं पूरे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

इस अवसर पर विधायक श्री प्रवीणभाई घोघारी, महापौर श्री दक्षेश मवानी, जिला कलक्टर डॉ. -सौरभ पारधी, दिन. महापौर डॉ.नरेंद्र पाटिल, स्थायी सभापति राजन पटेल, सत्तारूढ़ दल नेता शशिबेन त्रिपाठी, नर्मद विवि. कुलपति डॉ. किशोर सिंह चावड़ा, सिटी एसोसिएशन अध्यक्ष श्री निरंजन ज़ांज़मेरा, उप निदेशक (विकास जाति) श्री आर.डी. बलदानिया, उपनिदेशक (अनुसूचित जाति कल्याण) मित्तलबेन पटेल, सूरत मनपा के पदाधिकारी केयूर चपटवाला, धर्मेशभाई वानियावाला और सोमनाथ मराठे और संबंधित विभागों के अधिकारी, लाभार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के द्वारा 3 दिवसीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सूरत | दिन-ब-दिन बाजार का राजा अपनी इच्छा शक्ति के अनुसार चीजें खरीदता और उपभोग करता है। लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि यह उपभोक्ता उत्पाद कितना मिलावटी है। साथ ही उन्हें यह भी नहीं पता कि यह उनकी सेहत के लिए कितना हानिकारक है। इसके अलावा ऐसी जागरूकता के लिए द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के गुजराती माध्यम के प्राथमिक विभाग द्वारा 3 दिवसीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें कक्षा 3 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों द्वारा उपभोक्ता जागरूकता पर 25 से अधिक विभिन्न मॉडल तैयार कर अभिभावकों एवं अतिथियों के समक्ष लाइव प्रदर्शन किया गया।

इस्तेमाल किए गए केमिकल, उसकी पैकिंग की तारीख, इस्तेमाल की तारीख आदि के बारे में जानकारी के अभाव के साथ ही उत्पादों के सही-गलत का पता नहीं चल पाता है।

जिसमें दक्षिण गुजरात उपभोक्ता संरक्षण शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र सूरत से शोभाबेन छापिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही पंचशील मर्केंटाइल बैंक के सचिव श्री मयूरभाई चौहान उपस्थित रहे और विद्यार्थी मित्रों द्वारा तैयार की गई 25 से अधिक मिलावटी वस्तुओं की जानकारी एवं मॉडलों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा बच्चों को ग्राहक जागरूकता नियमों के संबंध में शुभकामनाएं भी दीं।

इस पूरे कार्यक्रम में 3500 से अधिक अभिभावकों से रूबरू होकर उपभोक्ताओं के अधिकारों के बारे में जानकारी ली गई। और एक जागरूकता कार्यक्रम जो समाज में बहुत उपयोगी है, के लिए ट्रस्टी बोर्ड, स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षण स्टाफ ने इस कार्य को संदिग्ध माना।

AM/NS India ने सुरक्षा माह मनाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया

हजीरा – सूरत। दुनिया के दो प्रमुख स्टील उत्पादक, आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील के संयुक्त उद्यम आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India), सुरक्षा माह मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है, जो सुरक्षित कार्यस्थल को प्रोत्साहन देने की समूह की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

यह सुरक्षा माह, मार्च 4, 2024 के दिन सुरक्षा ध्वज फहराने के समारोह के साथ शुरू हुआ, जो सुरक्षा जागरूकता पहल और राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। सुरक्षा माह का विषय "ESG श्रेष्ठता के लिए सुरक्षा नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना" है, जो इस बात पर जोर देता है कि सुरक्षा नेतृत्व सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG) उत्कृष्टता के लिए उत्प्रेरक है। AM/NS India के वरिष्ठ अग्रणीओने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा आगामी वर्ष के लिए श्वस्त पर अपनी उम्मीदें तय की।

विम वान गर्वन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India),ने कहा कि, "AM/NS India में हम, अपने संचालन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमने सबसे कडी प्रणालियाँ और प्रथाएँ लागू की हैं। हालाँकि, सुरक्षा केवल सिस्टम या उपकरण का नहीं, बल्कि आदतों का परिणाम है। कामकाज की जगह पर सलामती एवं सुरक्षा की संस्कृति पूरी तरह से संकलित होनी चाहिए। सुरक्षा माह के दौरान आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के पीछे यही हमारा मुख्य उद्देश्य है।"

AM/NS India ने मुख्य सुरक्षा संदेशों का सरल और प्रभावी भाषा में संचारित करने और एक सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सुरक्षा पोस्टर और स्लोगन जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

महीने भर चलने वाले इस समारोह के अन्य मुख्य आकर्षणों में कौन बनेगा सुरक्षापति कार्यक्रम विशेष है, जिसमें सुरक्षा और संबंधित पहलुओं पर क्विज़ और अनुकरणीय सुरक्षा अनुपालन के लिए सुरक्षा प्रश्नोत्तरी। इनका उद्देश्य सुरक्षा पहलों में अधिकतम संख्या में कर्मचारियों को शामिल करना है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने पेनकिलर्स की वजह से होने वाले किडनी फेल्योर के बारे में जागरूकता फैलाकर विश्व किडनी दिवस मनाया

अहमदाबाद । अहमदाबाद के मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में, हम इस बात को समझते हैं कि दर्द सामान्य तौर पर प्रचलित एक लक्षण है जिससे लोग बड़ी संख्या में पीड़ति हैं, और यह उनके रोज़मर्रा के काम-काज पर काफी बुरा असर डालता है। सिर से लेकर पाँव तक, शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की शिकायत हो सकती है। ऐसे मामलों में, लोग अक्सर अपनी पीड़ा को कम करने के लिए डॉक्टरी सलाह के बिना दर्द निवारक दवाओं या घर पर मौजूद दवाओं का सहारा लेते हैं, लेकिन वे इसकी वजह से किडनी को होने वाले नुकसान जैसे संभावित खतरों से बेखबर होते हैं। पेनकिलर्स, यानी दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल से किडनी संबंधी कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं, जिनमें हल्की सूजन से लेकर किडनी फेल्योर जैसे गंभीर परिणाम शामिल है। आजकल बाज़ार में दर्द से राहत दिलाने वाली कई तरह की दवाएँ उपलब्ध हैं, जिन्हें मोटे तौर पर दो श्रेणियों: यानी NSAIDs और नॉन-NSAIDs में बाँटा जाता है। पहली श्रेणी में डिक्लोफेनेक, निमेसुलाइ, आईबुप्रोफेन जैसी दवाएँ शामिल हैं, जिनमें NSAIDs मौजूद होता है। डॉक्टर की सलाह के बिना इन दवाओं के सेवन से आंतों और किडनी की बीमारियाँ हो सकती हैं। दूसरी श्रेणी में ट्रामाडोल, पेरासिटामोल जैसी दवाएँ शामिल हैं, जो आंतों और किडनी के लिए सुरक्षित होती हैं।

डॉ. सिद्धार्थ मवानी, डायरेक्टर– नेफ्रोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, कहते हैं, "NSAID दवाएँ मुख्य रूप से तीन प्रकार से किडनी पर असर कर सकती हैं: अस्थायी या एक्यूट रीनल फेल्योर, इन्टर्स्टिशल नेफ्रैटिस, और/या स्थायी या क्रोनिक किडनी फेल्योर, जिसे एक्यूट नेफ्रैटिस भी कहा जाता है। एक्यूट किडनी फेल्योर का मतलब अचानक किडनी खराब होना है। कई मरीज को तो सिर्फ एक या दो NSAID दवाएँ लेने से ही किडनी फेल्योर हो सकता है। हालाँकि सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता है, लेकिन ऐसा होना पूरी तरह असामान्य भी नहीं है। एक्यूट किडनी फेल्योर के मामले में डायबिटीज, ब्लड-प्रेशर और दिल की बीमारियों से पीड़ति ऐसे मरीज, जिनके ब्लड-प्रेशर में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, उनको दस्त-उल्टी की समस्या होती है, और उनके सीटी-स्कैन में डाई, इत्यादि का उपयोग किया जाता है। ऐसे मामलों में ह्रस्कृष्ट श्रेणी के पेनकिलर्स का सेवन करना कभी-कभी एक्यूट किडनी फेल्योर का कारण बन सकता है। इसलिए, इस तरह की बीमारी या समस्या से पीड़ति लोगों को डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही पेनकिलर्स का सेवन करना चाहिए। ये दवाएँ दोधारी तलवार की तरह हैं, जो हमें फायदा पहुंचा सकती हैं या फिर खतरनाक भी हो सकती हैं।"

किसी भी तरह के एक्यूट रीनल फेल्योर के मामले में निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते हैं: भूख न लगना, उबकाई और उल्टी, और पैरों में सूजन। इसमें पेशाब कम आना या रुक जाना जैसे लक्षण भी सामने आ सकते हैं। क्रिएटिनिन, यूरिया, पोटेशियम, यूरिन और सोनोग्राफी जैसे लैबोरेट्री टेस्ट के जरिए एक्यूट किडनी फेल्योर का पता लगाया जाता है।

इसका सबसे पहला इलाज तो यही है कि पेनकिलर्स को तुरंत बंद कर दें और किसी फिजिशियन या नेफ्रोलॉजिस्ट से सलाह लें। कुछ मरीजों को डायलिसिस की भी जरूरत पड़ सकती है। वैसे तो अचानक किडनी खराब होने या एक्यूट किडनी फेल्योर के कई कारण हैं, लेकिन पेनकिलर्स के सेवन की वजह से होने वाला एक्यूट किडनी फेल्योर इसका मुख्य कारण है। इस तरह के 40 से 50 फीसदी मामले सिर्फ पेनकिलर्स की वजह से होते हैं।

सूरत के रामपुरा इलाके का युवक अनिलभाई परमार सरकार की मदद से आत्मनिर्भर बन गए

सूरत। सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयास कर रही है और कई योजनाएं लागू की है ताकि उनके युवा आगे बढ़कर देश और समाज में अच्छा काम कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें. गुजरात अनुसूचित जाति विकास निगम द्वारा अनुसूचित जाति के युवाओं को नया उद्योग स्थापित करने या व्यवसाय शुरू करने के लिए कम ब्याज दरों पर ऋण दिया जाता है, सूरत शहर के रामपुरा क्षेत्र के रोहित पालिया के अनुसूचित जाति के युवा अनिलभाई को ऋण मिला एक लाख रु और जूते-चप्पल बेचने का व्यवसाय शुरू किया और आत्मनिर्भर बन गईं।

अनिलभाई अंबालाल परमार ने एक वर्ष की अवधि में कम दर पर ऋण पर सरकारी सहायता के माध्यम से अपने छोटे व्यवसाय का विस्तार किया है, जिसके बारे में अनिलभाई अंबालाल परमार का कहना है कि वह वर्षों से अपने परिवार का समर्थन करने के लिए जूते-चप्पल बेचने का काम करते थे।. एक दिन मैंने एक अखबार में अनुसूचित जाति के युवाओं को नए व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार के अनुसूचित जाति विकास निगम के माध्यम से कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के बारे में एक विज्ञापन पढ़ा। विज्ञापन पढ़ते समय मेरे चेहरे पर एक अनोखी चमक आ गई। मैंने सोचा कि यदि मुझे यह ऋण मिल जायेगा तो मैं अपना छोटा सा जूते-चप्पल का व्यवसाय शुरू कर बहुत आगे तक जा सकूंगा और अपने परिवार का उनकी इच्छानुसार भरण-पोषण कर सकूंगा। इस विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले एक पारदर्शी ड्र के माध्यम से मुझे लाभार्थी के रूप में चुना गया। निगम में जरूरी कागजी कार्रवाई के बाद जूते-चप्पल के कारोबार के लिए चार फीसदी की दर पर एक लाख रुपये का लोन आसानी से मिल गया. यह ऋण मेरे परिवार के लिए वरदान साबित हुआ है।

ज़ानाई भोसले शिवाजी महाराज की पत्नी रानी साई भोंसले की भूमिका निभाती नजर आएँगी

सूरत। आशा भोसले की पोती होने के अलावा, ज़ानाई वास्तव में छत्रपति शिवाजी महाराज के शाही परिवार की वंशज हैं।

संदीप सिंह ने कहा, "मैं ज़ानाई भोसले को लॉन्च करते हुए बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ, जो छत्रपति शिवाजी महाराज की वंशज हैं और उनका वंश अत्यंत प्रतिभाशाली और निपुण परिवार से भी जुड़ा है, स्वर्गीय लता मंगेशकर जी से भी उनका रिश्ता है, क्योंकि वे आशा भोसले जी की पोती हैं। वे एक गौरवान्वित भोसले हैं, जिन्हें पहले से ही एक भावपूर्ण आवाज उपहार में मिली है और वे संगीत की शौकीन हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि वे कितनी प्रतिभाशाली नर्तकी और एक कुशल कलाकार हैं। वे रानी साई बाई के किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगी।"

संदीप सिंह ने कहा, "शिवाजी महाराज की पत्नी के रूप में, रानी साई बाई ने एक राजा और एक इंसान के रूप में उनके विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया था।"

द प्राइड ऑफ भारत-छत्रपति शिवाजी महाराज को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है और यह छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर 19 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।

यह फिल्म संदीप सिंह की नाटकीय निर्देशन की पहली फिल्म है और इसे इमर्सो स्टूडियो और लीजेंड स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

सैमसंग ने 11 किलोग्राम एआई इकोबबलTM की पूरी तरह से ऑटोमेटिक फ्रंट लोड वाशिंग मशीन की नई रेंज को लॉन्च किया

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज पूरी तरह से ऑटोमेटिक फ्रंट लोड वाशिंग मशीन एआई ईकोबबलज़रू की नई रेंज को लॉन्च कर दिया है। वाशिंग मशीनों की यह नई रेंज 11 किलोग्राम सेगमेंट में पहली है जो एआई वॉश, क्यू-ड्राइवटीएम और ऑटो डिस्पेंस जैसी एडवांस्ड फीचर्स से युक्त है। इसके उपयोग से उपभोक्ताओं को कपड़े धोने में 50% समय की बचत होगी, फैब्रिक की देखभाल पहले की तुलना में 45.5% बेहतर होगी और 70% तक उर्जा की बचत होगी।

एआई ईकोबबलज़रू सैमसंग की क्यू-बबलTM और क्रिकड्राइवTM प्रौद्योगिकियों का समागम है, जो धुलाई को अधिक सहज और कम समय लेने वाला बनाता है। Q-बबलTM तकनीक तेजी से डिटर्जेंट प्रवेश के लिए अधिक प्रचुर और शक्तिशाली बुलबुले बनाने के लिए अतिरिक्त पानी के शॉट्स के साथ गतिशील ड्रम रोटेशन को जोड़ती है, वहीं क्रिक ड्राइवज़रूधोने के समय को 50% तक कम कर देता है। ये विशेषताएं एआई इकोबबलTM के प्रदर्शन को बेहतर और टिकाऊ बनाती हैं क्योंकि यह जल और ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

ऑटो डिस्पेंस और एआई वॉश के साथ नई रेंज अत्यधिक सहज और स्मार्ट है। एआई वॉश फीचर कपड़ों का वजन, पानी की मात्रा, कपड़ों की नरमी, मैल की मात्रा और डिटर्जेंट की मात्रा को खुद तय करता है। इससे यह कपड़े जल्दी और अच्छी तरह से धोता है। यह पानी और डिटर्जेंट बचाता है। यह कपड़ों को नुकसान से बचाता है।

सैमसंग इंडिया में डिजिटल एप्लांछ्यसेस बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर पुष्प बैशाखिया ने कहा, "सैमसंग में, हम ऐसी तकनीक पेश करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो न केवल सहज हो बल्कि टिकाऊ भी हो। हमने विभिन्न उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई रेंज डिजाइन की है। 11 किलोग्राम पूर्ण स्वचालित फ्रंट लोड वाशिंग मशीन सेगमेंट में हमारी पहली रेंज अत्यधिक ऊर्जा कुशल है। ऑटो डिस्पेंस, एआई वॉश और क्यू-ड्राइवज़रू जैसी सुविधाएं धुलाई को आसान और आसान काम बनाने में योगदान देती हैं।"

उन्होंने कहा, "हमें विश्वास है कि एआई इकोबबलज़रू वाशिंग मशीन की हमारी नई रेंज के माध्यम से, सैमसंग आज के उपभोक्ताओं की जीवनशैली को अपग्रेड करते हुए उन्हें बेहतर मूल्य प्रदान करेगा।"

आधुनिक भारतीय उपभोक्ता कपड़े धोने के ऐसे समाधान तलाश रहे हैं, जिससे वाशिंग साइकल की संख्या कम हो, पानी की बचत हो और बिस्तर/परदे आदि जैसे भारी कपड़े धोने के लिए पर्याप्त जगह हो। वॉशिंग मशीनों की नई लॉन्च की गई एआई ईकोबबलज़रू रेंज उपभोक्ताओं को कपड़े धोने के लिए आवश्यक सुविधा और देखभाल मुहैया कराएगी।

नई एआई ईकोबबलTM वॉशिंग मशीनों को आप अपने स्मार्टफोन पर सैमसंग स्मार्टथिंग्स एप से कहीं से भी, कभी भी कंट्रोल कर सकते हैं! यह पर्सनलाइज्डए फीचर्स जैसे हैबिट लर्निंग और इनफॉर्मेटिव डिस्लेर्टथ के साथ आती है जोकि उपभोक्तां की इस्तेमाल की आदतों के बारे में याद दिलाती है, साइकिल का सुझाव देती है और समय पर जानकारी डिस्लेता क करती है। सैमसंग स्मार्टथिंग्स ऐप अतिरिक्त वॉश प्रोग्राम्सप की पेशकश करता है, जैसे कि यह धुलाई के अलग-अलग तरीके बताता है, कपड़े सुखाने का सबसे अच्छा तरीका चुनने में मदद करता है और किसी भी समस्या होने पर उसका समाधान बताता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)